इंदौर, शनिवार 27 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 207
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

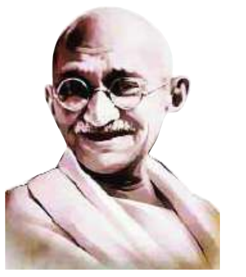
राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

गुजराती स्कूल नसिया रोड बना मौत का जाल

पेज-2

मुंबई की प्रतिमाओं को निखारेंगे संदीप पाटिल

पेज-5

कुमेड़ी आईएसबीटी से जल्द दौड़ेंगी 1400 बसें

पेज-6

महाघोटाला : राम मंदिर चंदा चोरी में सामने आया 'मास्टरमाइंड' का पूरा नेक्सस

चंपत राय के ड्राइवर का रौब और बैंक कर्मियों का था फिक्स कमीशन

अयोध्या (एजेंसी) अयोध्या के राम मंदिर में सामने आए ऐतिहासिक चढ़ावा महाघोटाले में हर रोज पुलिस और विशेष जांच टीम (एसआईटी) की तफ्तीश में ऐसे सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं, जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है।

अब तक की जांच में यह साफ हो चुका है कि यह कोई मामूली चोरी नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह द्वारा सोची-समझी साजिश के तहत करोड़ों रुपये के गबन का एक बड़ा नेटवर्क था। इस पूरे खेल का मुख्य केंद्र बिंदु श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और गणना इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव की जुगलबंदी थी। पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, बैंक अधिकारियों से लेकर ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की भूमिका पर शक का दायरा और गहराता जा रहा है।

जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव का ट्रस्ट या मंदिर प्रबंधन की किसी भी आधिकारिक इकाई में कोई पद या सदस्यता नहीं थी। इसके बावजूद, चंपत राय का करीबी और ड्राइवर होने के नाते मंदिर परिसर के भीतर उसकी हनक और दबदबा सातवें आसमान पर था। राम मंदिर प्रबंधन के हर छोटे-बड़े कार्य में टिन्नू का सीधा हस्तक्षेप रहता था। उसकी हनक का आलम यह था कि मंदिर के अति-सुरक्षित क्षेत्रों में भी सुरक्षाकर्मी उसके आने-जाने या गतिविधियों पर कभी कोई सवाल उठाने की हिम्मत नहीं करते थे। इसी असीमित पावर और प्रशासनिक अनदेखी का फायदा उठाकर इस पूरे काले साम्राज्य को खड़ा किया गया। इस संगठित लूट का ब्लूप्रिंट नोटों की गिनती के इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव ने टिन्नू यादव के साथ मिलकर तैयार किया था। साजिश के तहत, टिन्नू ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर नोटों की गिनती वाले बेहद संवेदनशील कमरे में अपने खास लोगों और करीबियों की एंट्री करवाई। इसके बाद शुरू हुआ रामलला के चढ़ावे और करोड़ों रुपये की नकदी को पार करने का एक ऐसा सिलसिला, जो किसी के टोकने के डर के बिना पिछले कई वर्षों से लगातार बैकग्राउंड में चल रहा था। गिरोह के सदस्यों को पकड़े जाने का रत्ती भर भी खौफ नहीं था, क्योंकि पूरी व्यवस्था पर इन्हीं का कंट्रोल था।

बैंक अधिकारियों का था 'फिक्स हिस्सा', खुद भी करते थे सीधी चोरी

एसआईटी की तफ्तीश में जो सबसे चौंकाने वाला और नया मोड़ आया है, वह है बैंक कर्मियों की संलिप्तता। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, इस महाघोटाले में केवल मंदिर के कर्मचारी ही नहीं, बल्कि दान के पैसे को मैनेज करने वाले बैंक के अधिकारी और कर्मचारी भी पूरी तरह शामिल थे। टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव इन बैंक कर्मियों को चुप रहने और वाउचर में हेराफेरी करने के बदले हर बार एक मोटी रकम और फिक्स कमीशन दिया करते थे। एसआईटी को ऐसे पुख्ता साक्ष्य भी मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि कई मौकों पर बैंक कर्मियों ने खुद भी दान की बड़ी रकम को सीधे तौर पर पार किया था।

■ **कंट्रोल और चाबियां:** मंदिर की दान पेटियों से लेकर कैश रूम की मुख्य चाबियां तक टिन्नू यादव के पास सुरक्षित रहती थीं।

■ **मनपसंद टीम की तैनाती:** गणना इंचार्ज होने के नाते सुभाष श्रीवास्तव बिना किसी रोक-टोक या आंतरिक ऑडिट के रोजाना नोट गिनने के काम में लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, मनीष यादव, अविनाश शुक्ला और रमाशंकर मिश्र जैसे अपने ही गैंग के लोगों की ड्यूटी लगाता था।

■ **बंटवारे का फिक्स पैटर्न :** पूरी टीम मिलकर हाईटेक सीसीटीवी कैमरों के सामने बेखौफ होकर नोटों की गड्डियां पार करती थी और काम खत्म होने के बाद पूरी रकम को एक निश्चित हिस्सेदारी के तहत आपस में बांट लिया जाता था।

न्यूज ब्रीफ

- अगले साल की शुरुआत में भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप
- पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे
- पाकिस्तान में 5.4 तीव्रता का भूकंप, जान-माल का कोई नुकसान नहीं
- पीएम मोदी तीन दिनों के सेशेल्स दौरे पर रवाना
- दिल्ली में पुलिस मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली
- केप वर्डे फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में पहुंचा, रचा इतिहास
- वेनेजुएला में फिर भूकंप के झटके
- हिंसा का जवाब हिंसा से मिलेगा : जेडी वेंस
- पश्चिम बंगाल : सिलीगुड़ी में NH-10 पर लैंडस्लाइड के कारण यातायात बाधित
- बिहार : रोहतास में पिपरा जगदलपुर गांव के नहर से महिला का शव बरामद
- FIFA वर्ल्ड कप : फ्रांस ने 4-1 से नॉर्वे को रौंदा, सेनेगल की भी दमदार जीत
- कासिम सुलेमानी की हत्या से खामेनेई के साथ ईरानी जनता भी खुश थी : ट्रंप
- जंग खत्म करने को लेकर लेबनान और इजरायल में बड़ी डील
- 'महान देश के लिए धर्म और ईश्वर जरूरी' - ट्रंप

कांग्रेस का नया दांव : जेन-जी को साधने की तैयारी

सबसे बड़ी चुनौती अपनी ही गुटबाजी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल मध्यप्रदेश कांग्रेस ने जेन-जी युवाओं को जोड़ने के लिए नया अभियान शुरू किया है। राहुल गांधी की रणनीति पर आधारित यह योजना छात्रों से संवाद और नए नेताओं की तलाश पर केंद्रित है। लेकिन संगठन की गुटबाजी अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

लगातार चुनावी हार के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस अब अपनी रणनीति बदलती दिख रही है। पार्टी ने जेन-जी यानी युवा मतदाताओं पर बड़ा दांव लगाया है। राहुल गांधी के निर्देश के बाद प्रदेश में 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू हो रहा है। मकसद सिर्फ छात्रों की समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि भविष्य के नेता तैयार करना भी है। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह नई रणनीति कांग्रेस की पुरानी गुटबाजी पर भारी पड़ पाएगी?

पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के नतीजों ने एमपी कांग्रेस को साफ संकेत दिया कि युवा मतदाताओं के बीच उसकी पकड़ कमजोर हुई है। अब पार्टी मान रही है कि आने वाले चुनावों में वही दल आगे रहेगा जो युवाओं की भाषा और उनके मुद्दों को समझेगा। इसी सोच के साथ प्रदेश में 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के करीब 2.3 से 2.5 करोड़ युवा हैं। कांग्रेस का आकलन है कि आने वाले चुनावों में यही वर्ग सबसे निर्णायक साबित हो सकता है। यही वजह है कि पार्टी अभी से इस वर्ग के साथ राजनीतिक संवाद बढ़ाने की कोशिश कर रही है। महिला कांग्रेस भी अलग अभियान चलाने की तैयारी में है।

सिर्फ आंदोलन नहीं, भविष्य की राजनीतिक तैयारी

कांग्रेस इस अभियान को केवल विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और युवा समूहों के बीच पहुंचकर यह जानना चाहती है कि नई पीढ़ी किन मुद्दों पर सरकार और राजनीति को परख रही है। शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, महंगाई और करियर जैसे विषय अभियान के केंद्र में रहेंगे।

'थर्ड लैंग्वेज पॉलिसी' : 700 रुपए में खरीदी फ्रेंच बुक हुई रद्दी

इसी सत्र से संस्कृत पढ़ना अनिवार्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल पहले से ही महंगी कॉपियों-किताबों के बोझ तले दबे सीबीएसई स्कूलों के अभिभावकों को एक और झटका लगा है। नया सत्र शुरू होने के बाद बोर्ड ने 'थर्ड लैंग्वेज पॉलिसी' अनिवार्य रूप से इसी सत्र से लागू कर दी है। इस नए नियम ने स्कूलों से 'फ्रेंच' को इस कदर बाहर किया कि पैरेंट्स द्वारा 400 से 700 रुपए में खरीदी गई महंगी किताब रद्दी हो गई। दरअसल, नए फॉर्मूले में अंग्रेजी को 'विदेशी भाषा' माना गया है, जिससे अब छात्रों के लिए फ्रेंच की जगह 'संस्कृत' पढ़ना अनिवार्य हो गया है।

विडंबना यह है कि बुक डिपो वालों ने भी इन किताबों को वापस लेने से साफ मना कर दिया है, क्योंकि पब्लिशर्स को माल वापसी की डेडलाइन निकल चुकी है। नतीजा यह कि अब अभिभावकों की जेब पर जबरन दोबारा संस्कृत की महंगी किताबें खरीदने की दोहरी मार पड़ रही है। नया सर्कुलर आने से इसलिए बढ़ी परेशानी निजी स्कूलों में 15 मार्च से 1 अप्रैल के बीच शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका था। पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए अभिभावकों ने शुरुआत में ही पूरी किताबें खरीद ली। इसके बाद सीबीएसई ने 9 अप्रैल को कक्षा VI और 15 मई को कक्षा IX के लिए त्रि-भाषा नीति से जुड़े सर्कुलर जारी कर दिए। सत्र शुरू होने के बाद हुए इस बदलाव से पहले खरीदी गई फ्रेंच की किताबें बेकार हो गईं, लेकिन बुक शॉप्स उन्हें वापस लेने को तैयार नहीं हैं। अब अभिभावकों को एनसीईआरटी की संस्कृत पुस्तक के साथ कई स्कूलों द्वारा सुझाई जा रही निजी प्रकाशकों की महंगी संस्कृत किताबें भी खरीदनी पड़ रही हैं।

इसलिए फ्रेंच बाहर और संस्कृत अनिवार्य

सीबीएसई की नई त्रि-भाषा नीति के तहत छठी कक्षा से हर छात्र को तीन भाषाएं और पढ़नी होंगी, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना अनिवार्य है। इस व्यवस्था में अंग्रेजी को विदेशी भाषा माना गया है। यानी यदि पहली भाषा अंग्रेजी और दूसरी हिंदी है, तो तीसरी भाषा के रूप में किसी भारतीय भाषा का होना जरूरी होगा। इसी वजह से स्कूलों में अब तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत पढ़ाई जाएगी और फ्रेंच को तत्काल प्रभाव से पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया है।

डबल डेकर ब्रिज का काम 90 फीसदी पूरा, ट्रायल अगस्त माह में होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगस्त में इसकी एक भुजा पर ट्रैफिक ट्रायल शुरू करने की तैयारी है। इंदौर के लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबल डेकर ब्रिज का काम 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

अगस्त माह में इसकी एक भुजा पर ट्रायल के तौर पर ट्रैफिक शुरू किया जाएगा। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज है, जिसकी जमीन से अधिकतम ऊंचाई 70 फीट है। यह ब्रिज मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर पर बने ब्रिज को पार करते हुए उज्जैन रोड की ओर उतरेगा। ब्रिज के मध्य हिस्से में दोनों ओर स्पैन रखे जा चुके हैं।

अमेरिका ने ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमला किया

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

कहा- सीजफायर का उल्लंघन कर पछताएगा अमेरिका

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी IRNA के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

NATO देशों पर ईरान का निशाना- ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल के हमले में साथ देने वाले झ्रझ्ह सदस्य देशों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन देशों को बताना चाहिए कि उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई का समर्थन क्यों किया।

देपालपुर डीपी के खुले तार किसका करेंगे शिकार ?

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर दैनिक इंदौर संकेत
नगर में लगी डीपी बारिश में मौत को बुलवा दे रही है। विद्युत विभाग की घोर लापरवाही सामने आ रही है। जानकारी में पता चला है कि देपालपुर नगर में डीपीओ पर खुले तार लटक रहे हैं। डीपीओ की हालत जर्जर अवस्था में है। तारों के जाले लटक रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार इस बात से बिल्कुल अनजान है। मेंटेनेंस के नाम पर नगर में घंटों लाइट बंद रहती है। उसके बावजूद भी बिजली के पोल डीपीओ की व्यवस्था ठीक नहीं हो पाई। नगर में कहीं डीपीयां सड़क किनारे लगी हुई है। बड़े वाहनों का आवागमन बना रहता। किसी दिन भी नगर में बड़ा हादसा करंट की वजह से हो सकता है। इतना ही नहीं बारिश का मौसम चालू हो चुका है, लेकिन अब तक डीपीओ पर खुले नंगे तार बड़ी मात्रा में लटक रहे है। समय रहते विद्युत विभाग ने इन्हें ठीक नहीं किया तो किसी को भी करंट लग सकता है। इतना ही नहीं मेंटेनेंस के नाम पर सरकार विद्युत विभाग को लाखों रुपए देती है, लेकिन जब जमीनी हकीकत पर देखा गया तो सुचारू रूप से काम नहीं किए गए आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कई जगह डीपी के समीप ठेला गाड़ी वाले अपने व्यापार व्यवसाय के लिए खड़े रहते हैं। उन्हें भी करंट लगने का डर बना रहता है। नगर में एक नहीं अनेक डीपी की हालत खराब है। कई डीपी के ढक्कन भी खुले पड़े हैं। 2 दिन पहले ही नगर में डीपी से करंट लगने से एक गाय की मौत हो गई थी। नगर में कहीं बिजली पोल भी जर्जर अवस्था में है। किसी दिन भी ज्यादा आंधी तूफान आने से वह गिर सकते। इस और भी ध्यान नहीं दिया गया फिर भी जिम्मेदार कुंभकरण की नींद सोए हैं। क्या जिम्मेदार अधिकारी क्षेत्र में किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं या फिर हादसा होने के बाद विभाग जागेगा?

निगम की घोर लापरवाही से गुजराती स्कूल नसिया रोड बना मौत का जाल

24 घंटे में गड्ढे नहीं भरे तो निगम अधिकारियों की यहीं बनेगी प्रतीकात्मक कब्र - खंडेलवाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल,गिरीश जोशी ने बताया कि नगर निगम की घोर लापरवाही और उदासीनता के कारण गुजराती स्कूल, नसिया रोड का मुख्य मार्ग पूरी तरह से बदहाल हो चुका है। सड़क के बीचों-बीच लगभग 10 फुट लंबे और 3 से 4 फुट गहरे जानलेवा गड्ढे बने हुए हैं, जो हर समय किसी बड़े हादसे को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। यह मार्ग शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है, जहां से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है।

उन्होंने कहा कि इस सड़क से गुजराती स्कूल के सैकड़ों विद्यार्थी, अभिभावक, लोहा मंडी के व्यापारी, सियागंज के व्यवसायी, सरवटे बस स्टैंड जाने वाले यात्री तथा रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले हजारों नागरिक प्रतिदिन गुजरते हैं। इसके बावजूद नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने आज तक इस सड़क की मरम्मत करना भी जरूरी नहीं समझा। ऐसा प्रतीत होता है कि निगम प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना या किसी निर्दोष नागरिक की जान जाने का इंतजार कर रहा है।

विवेक खंडेलवाल,गिरीश जोशी ने कहा कि बरसात का मौसम शुरू हो चुका है। यदि इन गहरे गड्ढों में बारिश का पानी भर गया तो उनकी गहराई का अंदाजा लगाना असंभव हो जाएगा। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग एवं राहगीर कभी भी गंभीर दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। यदि किसी की जान जाती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम के अधिकारी जनता की समस्याओं से पूरी तरह बेखबर हैं। शिकायतों के बावजूद न तो मौके का निरीक्षण किया जा रहा है और न ही सड़क की मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। अधिकारियों की यह कार्यशैली उनकी संवेदनहीनता और लापरवाही को उजागर करती है। कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल ने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 24 घंटे के भीतर इस जानलेवा गड्ढे को भरकर सड़क की मरम्मत नहीं की गई, तो कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर ही नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों की प्रतीकात्मक कब्र बनाकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन करेंगे। इसकी समस्त जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। उन्होंने मांग की कि आम जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल सड़क की मरम्मत कर आवागमन सुचारु बनाया जाए, ताकि किसी भी निर्दोष नागरिक को निगम की लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर न चुकानी पड़े।

न्यूज ब्रीफ

नागरिक अभिनंदन समारोह 11 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● समाजसेवी मदन परमालिया 9 जुलाई को अपने जीवन के 'साठ' साल पूर्ण कर रहे हैं। मदन परमालिया ने इन 60 साल में 'बेमिसाल साठ साल' का सफर तय किया है। स्वाधीनता सेनानियों के कार्य और योगदान को समाज के समक्ष लाने में अपना अहम योगदान दिया है और समाज सेवा के क्षेत्र में भी अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। अनेक समाजसेवी कार्यों को उन्होंने अंजाम दिया है। समारोह 11 जुलाई, शनिवार को विद्यासागर स्कूल ऑडिटोरियम में सुबह 10.30 बजे से होगा।

हाउसिंग बोर्ड ने लगाया समस्या समाधान शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, वृत्त इंदौर द्वारा गुरूवार को विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंडल के अध्यक्ष ओम जैन की उपस्थिति रही। वृत्त कार्यालय, प्रेस कॉम्प्लेक्स के सामने आयोजित इस शिविर में 300 हितग्राहियों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर के दौरान नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर सुनवाई की गई। 105 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया तथा 5 हितग्राहियों को नामांतरण एवं फ्रीहोल्ड प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

एमपी ट्रांसको ने पेंशनरों एवं कार्मिकों को अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना का दिया अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा संचालित अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत अब तक शामिल होने से वंचित रह गए कार्मिकों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों को योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु एक और अवसर प्रदान किया गया है। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन श्री धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पात्र कार्मिकों, पेंशनरों एवं परिवार पेंशनरों से 25 जून से 20 जुलाई तक पुन: आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जो पात्र हितग्राही वर्तमान में योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं और अब इसमें शामिल होना चाहते हैं, उन्हें योजना के प्रारंभ होने की तिथि से अब तक देय सभी अंशदान किस्तों का भुगतान एकमुश्त करना होगा।

जावा 42 आइवरी को मिला राइडर्स का शानदार रिस्पॉन्स

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जावा 42 आइवरी, जिसे अपनी हालिया लॉन्चिंग के बाद से ही राइडर्स से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, अब Amazon.in और फ्लिपकार्ट पर बुकिंग के लिए उपलब्ध है। भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर इस मोटरसाइकिल को लाकर, जावा ने देश भर के उत्साही लोगों के लिए ऑनलाइन माध्यम से इसे खोजने और इसके ओनरशिप के सफर की शुरुआत करने को और भी आसान बना दिया है।

कैलिफोर्निया बादाम 24 पोषक तत्वों से भरपूर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बादाम लंबे समय से रोजमर्रा के आहार का लोकप्रिय हिस्सा रहे हैं। इन्हें भोजन के साथ पौष्टिक रूप में खाया जाता है, नाश्ते की दिनचर्या में शामिल किया जाता है और मीठे व नमकीन दोनों तरह के व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। कैलिफोर्निया बादाम 24 पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जिनमें विटामिन ई, प्रोटीन, फाइबर, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, फॉस्फोरस और जिंक शामिल हैं। यही कारण है कि इन्हें पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड माना जाता है, जिन्हें आधुनिक जीवनशैली में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

पत्रकार सिक्ता देव सिखाएंगी पत्रकारिता के गुर स्टेट प्रेस क्लब मप्र के आयोजन में करेंगी शिरकत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● टीवी जर्नलिज्म की जानी-मानी हस्ती, वरिष्ठ पत्रकार व एंकर सिक्ता देव आज प्रीतमलाल दुआ सभागार में स्टेट प्रेस क्लब मप्र के बैनर तले आयोजित 'द जर्नी ऑफ ए जर्नलिस्ट' कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। सिक्ता देव शहर के विभिन्न संस्थानों में जर्नलिज्म की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों और प्रशिक्षु पत्रकारों को पत्रकारिता के बुनियादी पहलुओं से अवगत कराएंगी और उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान करेंगी। इसके अलावा वे शहर के पत्रकार साथियों से संवाद भी करेंगी।

तीन दशक से भी अधिक समय से टीवी पत्रकारिता में कार्यरत सिक्ता देव ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म, फील्ड रिपोर्टिंग, लॉन्ग फॉर्मेट स्टोरी टेलिंग और एडिटोरियल लीडरशिप में सिद्धहस्त हैं। उन्होंने 1995 से 2003 तक आजतक में अपनी सेवाएं दी। इसके बाद 2003 में ही वे एनडीटीवी से जुड़ गईं तो आज तक वहीं अपनी सेवाएं दे रहीं हैं। वर्तमान में वे कंट्रीब्यूटिंग एडिटर और सीनियर एंकर के बतौर कार्यरत हैं।

सिक्ता देव टेलीविजन न्यूज इंडस्ट्री में तेजी से आए बदलावों की साक्षी रही हैं। उन्होंने एंकरिंग के साथ कई बड़े घटनाक्रमों की मैदानी रिपोर्टिंग की है। अनेक लोकसभा और विधानसभा चुनाव कवर करने के साथ उन्होंने 1999 में हुआ कंधार प्लेन हाईजैक, 2001 में संसद भवन पर हुए आतंकी हमले, तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ और भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बीच हुई आगरा समिट, अक्षरधाम पर आतंकी हमला, समझौता ब्लास्ट, 9/11 का मुंबई आतंकी हमला आदि घटनाओं की लाइव रिपोर्टिंग घटनास्थलों से की है। अक्षरधाम हमले में तो उन्होंने एनएसजी कमांडो के साथ उड़ान भरकर लाइव रिपोर्टिंग की थी। इसके अलावा अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में गर्भगृह के अंदर प्रवेश कर सबसे पहले देश और दुनिया को रामलला के दर्शन करवाने वाली पत्रकार सिक्ता देव ही थीं। हाल ही में नेपाल में हुए जेन जी आंदोलन की लाइव रिपोर्टिंग करने वाली वे अकेली महिला पत्रकार थीं। बीते माह ट्विशा शर्मा हाईप्रोफाइल मामले की रिपोर्टिंग करने सिक्ताजी भोपाल आई थीं और स्व. ट्विशा के माता-पिता का दर्द साझा किया था। उसके बाद ही ट्विशा शर्मा मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी।

मोहर्रम के जुलूस में धक्का लगा, भाइयों को चाकू मारे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इमामबाड़े के पास मोहर्रम के जुलूस के दौरान भीड़भाड़ के बीच धक्का लगने की बात पर दो बदमाशों ने विवाद करते हुए तीन भाईयों को चाकू मारकर घायल कर दिया। सराफा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। फरियादी निजामुद्दीन पिता नईमुद्दीन; उम्र 17 वर्ष, निवासी जिंसी ने पुलिस को बताया कि वह अपने भाइयों फैजान और हैदर अली; उम्र 15 वर्ष के साथ जिंसी हाट मैदान के परचम के साथ-साथ पैगाम-ए-मोहब्बत के पारंपरिक जुलूस में शामिल होने आया था। जुलूस जैसे ही सराफा स्थित इमामबाड़े के पास पहुंचा तो वहां भारी भीड़ होने के कारण अचानक निजामुद्दीन का धक्का वहां मौजूद आरोपी अयान पिता नौशाद अली, केशव नगर, चंदन नगर को लग गया। इतनी सी बात पर अयान ने गालियां देना शुरु कर दिया। विरोध किया तो अयान ने उसके साथ मारपीट करते हुए थप्पड़ जड़ दिए। अपने भाई निजामुद्दीन को पिटता देख साथ आए भाई फैजान और चचेरे भाई हैदर अली तुरंत आगे आए और बीचबचाव करने लगे।

सीने पर वार, हाथ में लगा

भाइयों को बीच में आता देख आरोपी अयान और उसके साथी अली ने अपनी कमर से धारदार चाकू निकाल लिए। आरोपी अयान ने सीधे निजामुद्दीन के सीने पर जान से मारने की नीयत से चाकू से वार कर दिया। निजामुद्दीन वक्त रहते थोड़ा पीछे हट गया, जिससे चाकू का सीधा वार सीने पर न लगकर उसके बाएं हाथ पर जा लगा जिससे खून बहने लगा। अपने भाई को लहूलुहान देख 15 वर्षीय छोटे भाई हैदर अली ने बहादुरी दिखाते हुए अयान का चाकू पकडने का प्रयास किया तो आरोपी अयान ने हैदर पर भी बेरहमी से चाकू से हमला कर दिया। चाकू का यह वार हैदर के दाएं हाथ की कोहनी के नीचे लगा और वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी बीच अयान के साथी अली ने तीसरे भाई फैजान को जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू से हमला किया जो फैजान के दाएं हाथ की उंगली पर लगा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

मोहर्रम जुलूस के दौरान दो कार्रवाई में 29 गिरफ्तार

मोहर्रम के दौरान शहर में निकल रहे जुलूस के दौरान क्राइम ब्रांच की टीम सादी वर्दी में असमाजिक तत्वों की धरपकड़ कर रही है। क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को 13 आरोपियों को पकड़ा था। इनमें से तीन के पास चाकू मिले थे तो बाकी लोगों के पास से गांजा मिला था। इस कार्रवाई के बाद क्राइम ब्रांच का चैकिंग अभियान जारी रहा। उसके बाद क्राइम ब्रांच ने तनवीर, रियाज, हारून, रशीद, जाबिद, आदिल खान, तौहिद, मोहम्मद नदीम सहित 16 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनमें से चार लोगों के पास से चाकू बरामद किया वहीं बाकी लोगों से गांजा और चिलम मिली। चाकूबाजों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और नशेडियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं।

आबकारी विभाग ने तीन जगह से पकड़ी अवैध शराब, लाखों का माल बरामद

मौसम के बदलते ही शहर में शराब की तस्करी भी ज्यादा होने लगी, इधर आबकारी विभाग सक्रिय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मौसम बदलते ही शराब की तस्करी भी ज्यादा होने लगी है। पिछले तीन-चार दिनों में ही शहर में अवैध रूप से शराब ले जाते हुए तीन प्रकरण दर्ज हुए हैं। पकडाए लोगों से लाखों रुपए की शराब जप्त हुई है। गत दिनों तेज बारिश के बीच लोहा मंडी मार्केट में भोलेनाथ मंदिर के पास पुल पर बंबई बाजार वृत्त प्रभारी एवं आबकारी उप निरीक्षक मीरा सिंह ने अपनी टीम के साथ रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर घेराबंदी कर कार्रवाई की थी।

स्कूटर की डिक्की में केन

कार्रवाई के दौरान एक जुपिटर स्कूटर (क्रमांक एमपी 09 एके 4043) की तलाशी लेने पर आरोपी के पैरों के पास सफेद रंग की बोरी में 72 केन, पिट्ठू बैग और स्कूटर की डिक्की में 24-24 केन बियर, कुल 120 केन (500 एमएल प्रत्येक) और कुल लगभग 60 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद की गई। जब्त शराब और वाहन की कुल अनुमानित कीमत एक लाख 41 हजार 800 रुपए रही। आरोपी शराब के परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

आबकारी दल ने मौके से अवैध शराब एवं परिवहन में प्रयुक्त स्कूटर को जब्त कर आरोपी राहुल अलोने पिता भईयालाल अलोने, 31 वर्ष निवासी 24, तिरुपति नगर, एयरपोर्ट रोड, थाना एरोड्रम, इंदौर के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल कराया गया है। आरोपी ने पूछताछ में देबू ठाकुर के लिए काम करना बताया जिसकी तलाश की जा रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

स्व. पंकज पटेल अवॉर्ड संयुक्त रूप से जयश्री, सय्यद को व स्व. सुधीर जैन अवार्ड तन्मय को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शासकीय अधिकारी कर्मचारी संघ द्वारा प्रतिभावान बच्चों के सम्मान समारोह का इस वर्ष का स्व पंकज पटेल अवॉर्ड संयुक्त रूप से जयश्री जयंत जायसवाल, सय्यद मसिरा, स्व. सुधीर जैन अवार्ड तन्मय विजय गोयल को दिया जायेगा। आयोजन समिति के हरीश बोयत, रमेश यादव ने बताया की आयोजन का यह 21वां वर्ष है, इस आयोजन में शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान किया जाता हैं। 10वी 12वी में 70%से अधिक अंक लाने वाले बच्चों का एक उत्कृष्ट खिलाड़ी, प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होकर उच्च पदों पर चयनित बच्चों का सम्मान किया जाता है। इस वर्ष कुल 155 आवेदन प्राप्त हुए है जिसमें सभी बच्चों को सम्मानित किया जाता है। जिला कलेक्टर द्वारा भी प्रत्येक वर्ष प्रथम पांच बच्चों को दस, दस हजार रूपए देकर सम्मानित किया जाता है, संगठन के वरिष्ठ साथियों द्वारा उनके परिवार के दिवंगतों की स्मृति में 17बच्चों को नगद 5100, 4100एवं 3100रूपये के पुरस्कार दिए जाते है।

राजीव विकास केंद्र ने 152 प्रदेश पदाधिकारी की घोषणा की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है कि आगामी होने वाले नगर निगम विधानसभा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रखते हुए कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने हेतु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए कांग्रेस जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस मानसिकता वाले कांग्रेस जनों को विभिन्न जिले एवं शहर स्तर से जोड़ने हेतु मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा 152 प्रदेश पदाधिकारी की घोषणा की गई है जिसमें 6 प्रदेश प्रवक्ता 1 मुख्य प्रधान महासचिव 1 प्रदेश युवा सोशल मिडिया एडवाइजर 40 प्रदेश उपाध्यक्ष 40 प्रदेश महामंत्री 65 प्रदेश सचिव की घोषणा की गई है। जिसमें 6 प्रवक्ता सादिक खान नकुल पाटोदी सन्नी राजपाल शिव घावरी गौरव शर्मा मेहमूद पठान. 1 मुख्य प्रधान महासचिव धर्मराज प्रधान 1 प्रदेश युवा सोशल मीडिया का एडवाइजर लवेश देवेंद्र सिंह यादव . 40 प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व पार्षद डॉक्टर मुमताज खान सुमित पटेल राजेंद्र वर्मा रज्जू चंद्रशेखर यादव मुकेश सचदेव पंकज प्रजापत मास्टर आबिद कुरैशी हरीश वाधवानी राकेश चौधरी अजय ठाकुर लक्ष्मण दलवानी फारूक मंसूरी इरफान पठान रवि वर्मा सुभाष यादव अंकित जोशी श्याम भावसार संजीव सेठ किशोर करोसिया बादशाह मिमरोट जगदीश जोशी बंधन शुक्ला राजू गौरी शंकर शर्मा अप्पू वर्मा वहाब गोरी ओम प्रकाश आर्य शामिल गुप्ता राधेश्याम चौहान रोशन यादव हिमांशु पंचोली संजय बारिया सुनील वर्मा सज्जन गौर नज्जू चौधरी मुख्तियार देहलवी आकाश निजामपुरकर सुनील चौधरी अंकित यादव. 40 प्रदेश महामंत्री मुस्लिम खान अमजद खान भवन कदम नूरा उस्ताद राकेश गुप्ता सुनील भिड़े संदीप यादव नीरज यादव नवरत्न पटेल कमलेश मुरझानी कपिल कौशिक बाबूलाल यादव आनंद सोनी देवी लाल लश्करी नितिन वर्मा विनोद पवार आदि कांग्रेस जनों को राजीव विकास केंद्र में जिम्मेदारी देकर निर्देश दिए गए हैं।

आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया 30 तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासकीय संभागीय आईटीआई, नंदानगर, इंदौर में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्या ने बताया कि 8वीं, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी दक्षता हासिल कर सकते हैं। आईटीआई का प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कुशल बनाता है। आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही अप्रेंटिसशिप के माध्यम से उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर वे अपने कौशल को और अधिक निखार सकते हैं।

विधायक मधु वर्मा के प्रतिनिधि के अवैध होर्डिंग से गंभीर रूप से घायल हुई 11 वर्षीय बच्ची

हादसे के बाद भी नहीं हटा पाया नगर निगम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में अवैध होर्डिंगों का जाल एक बार फिर आम नागरिकों की जान पर भारी पड़ता हुआ दिख रहा है। इस बार हादसे का शिकार एक मासूम बच्ची बनी, जो सड़क किनारे लगे एक भारी-भरकम अवैध होर्डिंग के अचानक गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गई।

पालदा क्षेत्र में भाजपा विधायक प्रतिनिधि भानु प्रताप सिंह चौहान के जन्मदिन की शुभकामनाओं वाला अवैध होर्डिंग सड़क किनारे लगाया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह होर्डिंग अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसकी चपेट में एक 11 वर्षीय मासूम बच्ची आ गई। हादसे में बच्ची के सिर पर गंभीर चोट आई और उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि शहर में लंबे समय से बिना अनुमति और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।

हादसे के बाद नहीं जागा निगम- स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिस होर्डिंग ने बच्ची को घायल किया, वह लंबे समय से सड़क किनारे लगा हुआ था। लेकिन हादसे के बाद ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और बिना कार्रवाई किए ही वापस लौट गई। नागरिकों का कहना है कि यह घटना कोई अकेली दुर्घटना नहीं, बल्कि शहर में फैली अव्यवस्था का परिणाम है। पिछले कुछ समय में पाइपलाइन खुदाई, खुले गड्ढे, जर्जर सड़कें और अवैध होर्डिंगों के कारण कई हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा।

निगम प्रशासन पर उठे सवाल- शहरवासियों का आरोप है कि राजनीतिक कार्यक्रमों, जन्मदिनों और स्वागत-सम्मान के नाम पर नियमों को ताक पर रखकर सार्वजनिक स्थानों पर बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जाते हैं। ऐसे होर्डिंग लोगों की जान के लिए भी खतरा साबित हो रहे हैं। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के प्रशासनिक नियंत्रण पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 27 जून 2026

न्यूज ब्रीफ

कैसे रखें हमारे दिल को स्वस्थ' विषय पर आज डॉ. भरत रावत का व्याख्यान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्यामदास जगन्नाथ धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट की ओर से शनिवार को शाम 7 बजे साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में 'कैसे हमारे दिल को स्वस्थ रखें' विषय पर दिलचस्प एवं उपयोगी व्याख्यान का आयोजन रखा गया है, जिसमें शहर के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत रावत दिल की बीमारियों से बचने के उपाय एवं दिल से जुड़ी अनेक बातें बताएँगे। ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदास गोयल, सीए ओमप्रकाश अग्रवाल, राधेश्याम शर्मा गुरूजी एवं डॉ. लोकेश जोशी ने बताया कि माँ भारती के अनन्य सेवक, रामभक्त, समाजसेवी सेठ स्व. श्यामदास अग्रवाल की स्मृति में यह प्रेरक आयोजन आमंत्रित स्नेहीजनों के लिए रखा गया है। ट्रस्ट की ओर से प्रतिवर्ष 27 जून को स्व. श्यामदास अग्रवाल के सदकर्मों की स्मृतियों को चिरंजीवी बनाने के उद्देश्य से इस तरह के प्रेरणादायी आयोजन किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में इस वर्ष भी डॉ. रावत का यह व्याख्यान रखा गया है।

वैश्य समाज का दो दिवसीय अ.भा. परिचय सम्मेलन आज से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा जयपुर के तत्वावधान में संत श्री सुंदरदास पारमार्थिक ट्रस्ट एवं खण्डेलवाल संस्कृति वूमन्स क्लब के द्वारा 27-28 जून को दो दिवसीय अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन साउथ तुकोगंज स्थित पंजाब अरोड़वंशीय ट्रस्ट भवन पर होगा, जिसका शुभारम्भ शनिवार को महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता (तुंगा वाला) के मुख्य आतिथ्य एवं उद्योगपति मनीष शाहरा की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम स्थल को स्व. श्रीमती रुक्मणी देवी गुप्ता एवं स्व. चिरंजी लाल गुप्ता परिसर नाम दिया गया है। आयोजन समिति के दिनेश कूलवाल, रमेश गुप्ता, कैलाशचन्द खंडेलवाल एवं सुनील माली ने बताया कि आयोजन में देश के लगभग सभी राज्यों के 300 उच्च शिक्षित प्रत्याशी आएँगे। इनमें 130 युवतियां एवं 170 युवक प्रत्याशी शामिल हैं।

ई20 पेट्रोल पर जनता की चिंताओं का समाधान करे सरकार - आप पार्टी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आम आदमी पार्टी, इंदौर ने ई20 (20% एथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर वाहन चालकों के बीच बढ़ रही चिंताओं पर केंद्र एवं राज्य सरकार से तत्काल स्पष्टीकरण और ठोस कदम उठाने की मांग की है। शहर सहित देशभर से कई वाहन मालिक माइलेज में कमी, इंजन की कार्यक्षमता तथा पुराने वाहनों की अनुकूलता को लेकर सवाल उठा रहे हैं। सरकार का दायित्व है कि इन शिकायतों का वैज्ञानिक अध्ययन कर जनता के सामने तथ्य रखे जाएँ तथा यदि कहीं वास्तविक समस्याएँ हैं तो उनका समाधान किया जाए।

एमडी ड्रग्स निकला यूरिया, बर्खास्त पुलिसकर्मी बरी

21 आईपीएस सहित 19 पुलिसकर्मियों पर लगाया साजिश का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुलिस ने जिस 198 ग्राम पदार्थ को करोड़ों रुपए की एमडी ड्रग्स बताकर बड़ी कार्रवाई का दावा किया था, वह जांच में यूरिया निकला। इस मामले में गिरफ्तार किए गए पुलिसकर्मी समेत तीनों आरोपियों को कोर्ट ने बरी कर दिया है। अब बर्खास्त पुलिसकर्मी ने दो आईपीएस अधिकारियों सहित 19 पुलिसकर्मियों पर झूठे केस में

फंसाने का आरोप लगाया है। 16 महीने पहले पुलिस ने विजय पाटीदार और शाहनवाज शेख को गिरफ्तार कर उनके पास से 198 ग्राम एमडी ड्रग्स मिलने का दावा किया था। पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिसकर्मी लखन गुप्ता का नाम लिया, जिसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में विभाग ने उन्हें नौकरी से बर्खास्त कर दिया।

जांच के दौरान जब्त पदार्थ के सैंपल भोपाल की फॉरेंसिक लैब भेजे गए। रिपोर्ट में साफ हो गया कि कथित एमडी ड्रग्स वास्तव में यूरिया है और वह किसी भी तरह का नारकोटिक पदार्थ नहीं है। पुलिस ने दोबारा हैदराबाद की सेंट्रल लैब से जांच कराई, लेकिन वहां भी रिपोर्ट में पदार्थ यूरिया ही निकला। दोनों रिपोर्टों के आधार पर कोर्ट ने लखन गुप्ता समेत तीनों आरोपियों को बरी कर दिया।

कोर्ट से बरी होने के बाद लखन गुप्ता ने विशेष अदालत में परिवाद दायर कर दो आईपीएस अधिकारियों समेत 19 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि उन्हें सुनियोजित साजिश के तहत झूठे ड्रग्स केस में फंसाया गया।

लखन का कहना है कि कुछ पुलिसकर्मियों ने मुखबिर के जरिए आरोपियों से उनका नाम कहलवाया। इसके बाद उन्हें आजाद नगर से उठाकर तेजाजी नगर थाने लाया गया, पूछताछ की गई और फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। बाद में नौकरी से भी बर्खास्त कर दिया गया। लखन के वकील नितिन पाराशर के अनुसार, परिवाद में विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। विशेष कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट जांच कराने, एफआईआर दर्ज करने या अन्य कानूनी कार्रवाई को लेकर आदेश दे सकता है। यह मामला पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर रहा है, क्योंकि जिस पदार्थ को करोड़ों की एमडी ड्रग्स बताया गया था, वह दोनों सरकारी लैब की जांच में साधारण यूरिया निकला।

पालाखेड़ी के किसानों की समस्या खुद सुनेगें गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● म.प्र. गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन ने कहा कि इंदौर के सुपर कोरिडोर स्थित पालाखेड़ी क्षेत्र के किसानों की जमीन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए वे जल्द ही शिविर का आयोजन करेंगे। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'रूबरू' कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए जैन ने बताया कि पालाखेड़ी इलाके में गृह निर्माण मंडल ने किसानों की जमीन अधिग्रहित की थी। उनके संज्ञान में आया है कि करीब 375 एकड़ की आवासीय योजना के मुआवजों को लेकर किसान असंतुष्ट हैं। किसानों का कहना है कि सुपर कोरिडोर निर्माण के लिए स्कीम नं. 151 और 169 बी में

वे पहले ही अपनी जमीने दे चुके हैं। फिर जमीन देने से उनकी आजीविका छिन जायेगी। इस मामले में कुछ किसान उच्च न्यायलय भी गए हैं। जैन ने कहा कि वे इस संदर्भ में अतिशीघ्र एक शिविर के माध्यम से समस्याओं को निराकृत करने की कोशिश करेंगे।

अध्यक्ष जैन ने बताया कि शिविर के दौरान नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर सुनवाई की गई। प्राप्त 105 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया तथा 5 हितग्राहियों को नामांतरण एवं फ्रीहोल्ड प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। शिविर में प्राप्त मांग आधारित तथा नियमों एवं प्रक्रियाओं में सुधार से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए मुख्यालय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से उन संपत्तियों के फ्रीहोल्ड संबंधी मामलों पर चर्चा हुई, जिनका नाम राजस्व अभिलेखों में मंडल के नाम दर्ज नहीं है। अध्यक्ष ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग से समन्वय कर संबंधित कॉलोनियों की भूमि का नामांतरण मंडल के नाम कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

महापौर ने फिर साबित कर दिया कि वे 'एक्सीडेंटल महापौर' हैं - अमित चौरसिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कर्बला मैदान पर मुहर्रम मेले को लेकर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वे केवल 'एक्सीडेंटल महापौर' हैं। जिस प्रकार उनके निर्णय को माननीय हाईकोर्ट ने निरस्त करते हुए मेला लगाने की अनुमति प्रदान की है, उससे उनकी प्रशासनिक समझ, निर्णय क्षमता और कानूनी ज्ञान पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। अमित चौरसिया ने कहा कि जिस व्यक्ति ने स्वयं को कानून का जानकार बताया, उसी के निर्णय को न्यायालय ने असंवैधानिक और अव्यावहारिक साबित कर दिया। अब तो इंदौर की जनता के मन में उनकी वकालत की डिग्री को लेकर भी संदेह गहराने लगा है। उन्होंने कहा कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव के लगातार अपरिपक्व और हठधर्मी निर्णयों ने पूरे इंदौर शहर को प्रयोगशाला बना दिया है। कभी स्वच्छता के नाम पर अव्यवस्था, कभी जल प्रबंधन में असफलता, कभी मनमाने प्रशासनिक फैसले और अब धार्मिक आयोजन को लेकर अनावश्यक विवाद खड़ा कर शहर की गंगा-जमुनी तहजीब को चोट पहुंचाने का प्रयास-यह उनकी कार्यशैली बन चुकी है। चौरसिया ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी अपनी राजनीतिक विफलताओं से जनता का ध्यान भटकाने के लिए लगातार सामाजिक और सांप्रदायिक तनाव का वातावरण तैयार करने का प्रयास कर रही है। कर्बला मैदान के मेले की अनुमति को पहले देना और फिर आनन-फानन में मेयर-इन-काउंसिल की वर्चुअल बैठक बुलाकर उसे निरस्त करना इसी राजनीतिक मानसिकता का प्रमाण है। लेकिन हाईकोर्ट के निर्णय ने भाजपा की इस दुर्भावनापूर्ण राजनीति पर करारा तमाचा मारा है। चौरसिया ने कहा कि आज इंदौर नगर निगम भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है। महापौर के कार्यकाल में शहर भीषण जल संकट से जूझ रहा है, दूषित पेयजल के कारण 40 से अधिक निर्दोष नागरिकों की जान जा चुकी है, हजारों परिवार जलजनित बीमारियों से प्रभावित हैं, लेकिन महापौर इन गंभीर समस्याओं का समाधान करने के बजाय जनता का ध्यान भटकाने के लिए विवादित और विभाजनकारी राजनीति कर रहे हैं।

बूथ स्तर और प्राथमिक कार्यकर्ताओं का होगा डिजिटल प्रशिक्षण वर्ग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्मरण के अंतर्गत बूथ समितियों के सदस्यों और प्राथमिक सदस्यों के प्रशिक्षण डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के सन्दर्भ में आज भाजपा कार्यालय पर भाजपा इंदौर नगर की कामकाजी बैठक नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक महेश पालीवाल, महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, हरप्रीत सिंह बक्षी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती

संस्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम के अंतर्गत बूथ और शक्ति केंद्रों के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से डिजिटल होगा कार्यकर्ता अपने मोबाइल से सरल और संगठन अप्प पर जाकर डिजिटल प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होंगे। यह प्रशिक्षण 28 जून को सुबह 11:40 बजे सभी 2097 बूथों पर एक साथ आयोजित किए जाएंगे। कार्यकर्ता सरल व संगठन अप्प में जाकर डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर क्लिक करने पर कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग में शामिल हो सकेंगे। 4 विषयों पर विषय वक्ता द्वारा दिए गए उद्बोधन के वीडियों के माध्यम से प्रशिक्षण होगा। इसमें प्रशिक्षार्थीयों का टेस्ट भी होगा और उन्हें प्रश्नोत्तरी भी हल करना होगी। उसके पश्चात उन्हें प्रशिक्षण वर्ग का डिजिटल प्रमाण पत्र भी मिलेगा।

अग्रवाल समाज की नई कार्यकारिणी 'नर सेवा नारायण सेवा' एवं पौधे रोपने के संकल्प के साथ करेगी श्रीगणेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज महासंघ विजय नगर क्षेत्र के नए संचालक मंडल, कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों की शपथ विधि समाजसेवी बालकिशन छाबछरिया, डॉ. कुलभूषण मित्तल कुक्की, दीपचंद अग्रवाल के आतिथ्य में कनाड़िया रोड, मौर्या हिल्स स्थित केबीसी सभागृह में 'नर सेवा नारायण सेवा' तथा प्रत्येक वर्षाकाल में पांच पौधे रोपने के अभिनव संकल्प के साथ सम्पन्न हुई। वर्ष 2026-28 के लिए गठित कार्यकारिणी में किशोर गोयल संरक्षक, नीतेश बंसल अध्यक्ष, शैलेन्द्र अग्रवाल (महू) महामंत्री, नीरज गोयल मूर्ति उपाध्यक्ष, संदीप अग्रवाल संगठन मंत्री, प्रमोद अग्रवाल कोषाध्यक्ष, श्रीमती आभा-नीरज गोयल महिला संयोजक, पवन अग्रवाल सह संयोजक एवं पंकज अग्रवाल प्रचार मंत्री चुने गए। पुरुष कार्यकारिणी में मनीष गर्ग, आनंद अग्रवाल एवं प्रवीण गोयल निर्वाचित हुए। महिला कार्यकारिणी में श्रीमती शीतल-संजय अग्रवाल, ज्योति-पंकज अग्रवाल, उषा-विमल अग्रवाल एवं सुश्री साक्षी नीरज गोयल का मनोनयन किया गया।

खाटू श्याम मंदिर में आम्र वाटिका पुष्प बंगले में विराजे श्याम बाबा, पहुंचे अनेक संत-विद्वान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एयरपोर्ट रोड, अम्बिकापुरी स्थित खाटू श्याम मंदिर के 29वें सात दिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन शुक्रवार को खाटू श्याम महायज्ञ की पूर्णाहुति और यज्ञनारायण के जयघोष के बीच सौल्लास सम्पन्न हुआ। महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज के सानिध्य में अ.भा. खाटू श्याम अखाड़े के अनेक संत-विद्वान इस अवसर पर उपस्थित थे, जिन्होंने कलियुग के देवता खाटू श्याम बाबा की महिमा बताई।

महंत नीलू बाबा ने बताया कि संध्या को खाटू श्याम बाबा का मनोहारी पुष्प एवं विद्युत श्रृंगार कर उन्हें आम्र वाटिका रूपी पुष्प बंगले में विराजित किया गया। मनोहारी पुष्प बंगले एवं श्रृंगार दर्शन के लिए मंदिर पर देर शाम तक भक्तों की कतारें लगी रही। चलित भंडारे में 3 हजार से अधिक भक्तों ने पुण्य लाभ उठाया। महोत्सव से जुड़े सहयोगी बंधुओं महेश वर्मा, चिराग शर्मा, अनमोल दुबे, मंथन गराडे, लगातार राठौर, गणेश शर्मा, मनीष शर्मा, सुनील राजोरिया एवं कार्यकर्ताओं मंथन राठौर, हेमंत महेश्वरी, गब्बर राठौर, नितिन बागड़ी, बिट्टू विश्वकर्मा, गोपी पुरोहित, महेंद्र सांखला का समापन प्रसंग पर महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज एवं महंत नीलू बाबा द्वारा सम्मान किया गया। मातृशक्ति की ओर से भारती शर्मा, खुशी शर्मा, मुस्कान शर्मा, तमन्ना शर्मा, योगिता शर्मा, पूजा शर्मा, आस्था शर्मा एवं किरण अग्रवाल ने पूरे समय महोत्सव की व्यवस्थाएं संभाली।

महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज ने सबके यशस्वी, सुखद एवं चिरायु जीवन की मंगल कामनाएँ व्यक्त की। अंत में महंत नीलू बाबा ने आभार माना एवं पधारे हुए संत विद्वानों का सम्मान कर उन्हें गरिमापूर्ण विदाई दी। इसके पूर्व दोपहर में मंदिर के महिला मंडल से जुडी सैकड़ों महिलाओं ने श्याम बाबा की स्तुति में अनेक मनोहारी भजनों से समूचे माहौल को श्याममय बनाए रखा।

ओंकारेश्वर में तेज बारिश से घाटों पर झरने जैसा नजारा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में हुई तेज बारिश से घाटों का दृश्य बदल गया। गोमुख घाट, ब्रह्मपुरी घाट और कोटितीर्थ घाट पर पानी का बहाव बढ़ गया, जिससे सीढ़ियां जलधारा में बदल गईं। कई श्रद्धालु एक-दूसरे का हाथ पकड़कर सावधानी से रास्ता पार करते दिखे। गोमुख घाट पर जलधारा का प्रवाह और तेज हो गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहां गोमुख से निकलने वाला जल भगवान शिव का निरंतर अभिषेक करता है। कई श्रद्धालुओं ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया, जबकि कुछ ने बढ़ते बहाव को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी बरती।

नर्मदा का जलस्तर बढ़ने पर यह स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। मां रेवा माझी नाविक संघ के भोलाराम केवट ने बताया कि नाविक 24 घंटे शिफ्टवार नावों की निगरानी करते हैं। वे नावों पर ही रहकर भोजन करते हैं और पानी निकालने, रस्सियों को कसकर बांधने तथा नावों को सुरक्षित रखने में जुटे रहते हैं। नाविकों की यह सतर्कता केवल नावों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करती, बल्कि घाट की पूरी व्यवस्था बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दुकानदारों ने भी अपने सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

ओंकारेश्वर में मानसून केवल प्राकृतिक सौंदर्य ही नहीं लाता, बल्कि यहां के निवासियों और व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए एक चुनौती भी प्रस्तुत करता है। बारिश के हर दौर में आस्था के साथ सतर्कता भी उतनी ही आवश्यक मानी जाती है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल: फिर उलझ गया दस्तावेजों का सिस्टम

पासपोर्ट शुल्क में बढ़ोतरी और नागरिकता प्रमाण को लेकर छिड़ा विवाद आम लोगों, छात्रों और श्रमिकों के भविष्य पर गहरा असर डाल सकता है। विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

हर शहर में सुलगती लापरवाही : क्या अगला लखनऊ आपका होगा ?

जब कागजों की मंजूरियाँ और बंद लिफाफे सच को ढकने लगते हैं, तब आग केवल इमारतों तक सीमित नहीं रहती, वह व्यवस्था की आत्मा को भी झुलसा देती है। लखनऊ के अलीगंज की घटना किसी एक दिन की दुर्घटना नहीं, बल्कि उस लंबी लापरवाही का विस्फोट थी जिसमें सुरक्षा को हमेशा बाद में टाल दिया गया। इसी पृष्ठभूमि में एक तीखा सवाल उभरता है—जो अब फुसफुसाहट नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आरोप बन चुका है। यह सिर्फ एक घटना का वर्णन नहीं, बल्कि उस ढांचे का दर्पण है जहाँ शिक्षा धीरे-धीरे जोखिम और लाभ के बीच झूलता हुआ बाजार बन गई है।

खामोश मंजूरी पत्रों ने एक दिन चीखता सच पैदा कर दिया | फीस, फ्यूचर और फायर: एक जलती हुई व्यवस्था की कहानी

22 जून 2026 की दोपहर ने लखनऊ के अलीगंज की एक साधारण सी इमारत को मौत के मंजर में बदल दिया। नीचे पेट शॉप और क्लिनिक की रोजमर्रा की हलचल थी, जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर में भविष्य संवारने के सपने बुने जा रहे थे। लेकिन कुछ ही पलों में वह इमारत धुएं और आग के भयानक जाल में कैद हो गई। छात्र जान बचाने के लिए भागे, खिड़कियों तक पहुंचे, कुछ ने मजबूरी में छलांग लगाई, पर अधिकांश घने धुएं की दीवार में फंस गए। चीखें धीरे-धीरे खामोशी में घुल गईं। कम से कम 15 युवा जीवन, जो अभी सपनों को पूरी तरह समझ भी नहीं पाए थे, 'लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख' बनकर हमेशा के लिए मिट गए।

यह हादसा किसी अचानक तकनीकी खराबी का नतीजा भर नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था की उपज था जिसने वर्षों तक चेतावनियों को अनसुना किया। जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसे 2016 में अवैध निर्माण पर एलडीए द्वारा ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी हुआ था, जिसे दो महीने बाद वापस ले लिया गया था। फायर एनओसी मौजूद नहीं था, और आपातकालीन निकास या तो बंद पड़े थे या केवल औपचारिकता बनकर रह गए थे। खिड़कियों पर लगी लोहे की जालियाँ/ग्रिल्स बाहर निकलने में बाधक बनीं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार एसी में संभावित शॉर्ट सर्किट सिर्फ एक चिंगारी थी, असली आग तो उस लापरवाही में थी जो वर्षों से सुलग रही थी। नीचे व्यापार की रफ्तार जारी थी और ऊपर जीवन दम तोड़ रहा था।

जैसे-जैसे हादसे की परतें खुलती गईं, वही पुराना और असहज करने वाला सवाल फिर सामने खड़ा हो गया—आखिर यह सब हुआ कैसे? अनुमति किसने दी, निरीक्षण किसने किया, और किसने जानबूझकर नजरें फेर लीं? यह केवल प्रशासनिक लापरवाही भर नहीं दिखती, बल्कि एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करती है जहाँ नियमों की कीमत तय होती है और सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाती है। यह पैटर्न नया नहीं है। कोटा की आत्महत्याएँ, दिल्ली के राजेंद्र नगर की बेसमेंट बाढ़ और अब लखनऊ की यह अग्निकांड—हर जगह कहानी एक ही जैसी दिखती है: भीड़ बढ़ाओ, मुनाफा कमाओ और सुरक्षा को बाद के लिए छोड़ दो।

आज के दौर में छात्र केवल सीखने वाला नहीं रह गया, बल्कि एक चलती-फिरती आर्थिक इकाई में बदल चुका है। माता-पिता कर्ज के बोझ तले फीस चुकाते हैं, अपनी उम्मीदें गिरवी रखकर बच्चों का भविष्य 'खरीदने' की कोशिश करते हैं। कोचिंग उद्योग इस मानसिक दबाव को बखूबी समझता है, इसलिए उसकी संरचना भी उसी अनुरूप गढ़ी जाती है—ऊंची दीवारें, नियंत्रित प्रवेश और अक्सर बंद पड़े आपात निकास। यही वह व्यवस्था है जिसने शिक्षा को धीरे-धीरे ऐसे तंत्र में बदल दिया है, जहाँ जीवन से अधिक महत्व उपस्थिति और फीस को मिलने लगता है।

हादसे के बाद प्रशासनिक प्रतिक्रिया भी उसी पुराने, परिचित ढर्रे पर आगे बढ़ी। जांच के आदेश जारी हुए, शोक संदेश दिए गए, मुआवजे की घोषणाएँ हुईं, कुछ गिरफ्तारियाँ और निलंबन भी हुए—जैसा हर बार होता आया है। मुख्यमंत्री स्तर से कार्रवाई के निर्देश आए, प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की, लेकिन यह संवेदना भी कुछ ही समय में औपचारिकता बनकर रह गई। असली प्रश्न फिर अनुत्तरित रहे—क्या यह अंतिम हादसा होगा, या अगली त्रासदी की नींव पहले से ही रखी जा रही है? क्योंकि हर दुर्घटना के बाद यही चक्र दोहराया जाता है और समय के साथ समाज उसे भुला देने की आदत डाल लेता है।

अब प्रश्न व्यवस्था की कार्यप्रणाली नहीं, उसकी नींव की ईमानदारी पर है। कोचिंग सेंटरों को 'शिक्षा का मंदिर' नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से व्यावसायिक इकाई मानकर सख्त नियंत्रण में लाना होगा। हर भवन का फायर ऑडिट और संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणपत्र अनिवार्य होना चाहिए। बेसमेंट में कक्षाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। खिड़कियों पर लगी ग्रिलें रोकने का माध्यम बनने पर दंडनीय अपराध हों, और किसी भी मौत की स्थिति में प्रबंधन पर सीधे आपराधिक हत्या का मुकदमा चले। साथ ही एक स्वतंत्र 'नेशनल कोचिंग सेफ्टी अथॉरिटी' बनाई जाए, जो राजनीतिक दबाव से मुक्त हो।

सुधार की सीमा केवल कोचिंग संस्थानों तक नहीं हो सकती। समस्या उस व्यापक शिक्षा ढांचे में छिपी है, जो छात्रों पर एकतरफा दबाव डालकर सफलता का सीमित रास्ता दिखाता है। जब सफलता का एकमात्र मानक प्रतियोगी परीक्षाएँ बन जाती हैं, तो कोचिंग उद्योग स्वत: ही अनियंत्रित बाजार में बदल जाता है। इसलिए, स्कूल-कॉलेज स्तर पर सुधार, परीक्षा प्रणाली का संतुलन और मानसिक दबाव में कमी केवल शैक्षणिक सुधार नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले जरूरी कदम हैं।

अगर अब भी यह चेतावनी अनसुनी रही, तो हर शहर किसी न किसी दिन लखनऊ की ही पुनरावृत्ति बन जाएगा। हर इमारत किसी अंधेरी रात में 'लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख' जैसी दर्दनाक कहानी दर्ज करती रहेगी। हम तब भी सिर्फ खबरें पढ़ेंगे, जांचें देखेंगे और अगले हादसे के आने का इंतजार करते रहेंगे। लेकिन उस समय शायद सवाल पूछने वाला कोई नहीं बचेगा—क्योंकि तब तक सपने, उम्मीदें और जीवन, सब कुछ पहले ही राख में बदल चुका होगा, और व्यवस्था केवल पछतावे के पन्ने पलटती रह जाएगी।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

ताराघाटी डकैती के छह आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● धार जिले के रिंगनोद ताराघाटी क्षेत्र में करीब डेढ़ माह पहले हुई डकैती की वारदात का रिंगनोद चौकी पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में शामिल सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई राशि में से कुल 2 लाख 3 हजार रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 5 मई को हुई थी। टांडा थाना क्षेत्र के ग्राम चामझर निवासी पप्पू अनारे अपनी पत्नी सेलबाई के साथ रिंगनोद आए थे। उन्होंने करीब ढाई किलो चांदी गिरवी रखकर 2 लाख 70 हजार रुपए प्राप्त किए थे। दोनों यह राशि लेकर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। दोपहर करीब 2.30 बजे भीलखेड़ी के पास वन चौकी क्षेत्र में पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने उनकी बाइक को लात मारकर गिरा दिया। इसके बाद आरोपियों ने सेलबाई के पास रखी नकदी से भरी थैली छीन ली और रिंगनोद की ओर फरार हो गए। घटना के बाद थाना सरदारपुर में प्रकरण दर्ज किया गया और रिंगनोद चौकी पुलिस ने विशेष जांच शुरू की। साइबर सेल की तकनीकी सहायता, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र के आधार पर पुलिस ने पहले गोकुल, मुकाम, लोकेश और एक विधि-विरुद्ध बालक को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 1 लाख 36 हजार रुपए और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई थी। लगातार तलाश के दौरान, फरार चल रहे आरोपी सन्नी पिता जानू डावर और प्रवीण उर्फ नन्नू पिता भुवानसिंह डावर, निवासी कालीदेवी, थाना टांडा को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इन दोनों आरोपियों के कब्जे से 67 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई के साथ ही डकैती में शामिल सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब तक कुल 2 लाख 3 हजार रुपए नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की जा चुकी है। यह कार्रवाई एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव और रिंगनोद चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गुलाबसिंह भयड़िया के नेतृत्व में की गई।

82.50 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण, बलवाड़ा में बनेगी सीसी रोड

दैनिक इंदौर संकेत

महेश्वर ● महेश्वर विधानसभा क्षेत्र में करीब 82.50 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। इन कार्यक्रमों में महेश्वर विधायक राजकुमार मेव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भाजपा मंडल बलवाड़ा के अंतर्गत आयोजित इन कार्यों से क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात मिली है। इनमें ग्राम पंचायत बलवाड़ा में 20 लाख रुपए की लागत से बाजार चौक में सीसी रोड का भूमिपूजन, ग्राम रूपाला में 37.50 लाख रुपए से नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण और ग्राम माचलपुरखुर्द में 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन शामिल है।

इस अवसर पर विधायक मेव ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि हर गांव को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। इन कार्यक्रमों में वरिष्ठ भाजपा नेता बलराम पटेल, नरेंद्र यादव, बलवाड़ा मंडल अध्यक्ष विष्णु यादव, नंदराम मुकाती, महामंत्री जितेंद्र वर्मा, दिनेश पंवार, सरपंच संजय पटेल, बहादुर सिंह और नितेश जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी मौजूद रहे। इससे पहले, विधायक राजकुमार मेव ने बलवाड़ा मंडल के ग्राम खेड़ा और जामन्या का दौरा किया। उन्होंने निमाड़ के सुप्रसिद्ध संत श्री सिंगाजी की पावन स्थली पर विधि-विधान से पूजन-वंदन किया। इसके पश्चात, विधायक उमरिया में आयोजित गवली समाज के मिलन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों और वरिष्ठों का स्वागत करते हुए सामाजिक एकजुटता पर जोर दिया। इस दौरान क्षेत्र के कार्यकर्ता और गवली समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अपने दौरे के बीच, विधायक मेव ग्राम सेल्दा भी पहुंचे। उन्होंने अस्वस्थ चल रहे भाजपा कार्यकर्ता जय पटेल के निवास पर उनसे मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की कुशल-क्षेम पूछी। उन्होंने परिवारजनों से भी भेंट की।

इंदौर हाईवे के क्षतिग्रस्त पुल को जांचने आए एक्सपर्ट

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे पर एक निर्माणाधीन पुलिया का स्लैब गिरने का मामला सामने आ चुका है। दैनिक भास्कर की खबर के बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मामले में संज्ञान लिया और सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के एक्सपर्ट की टीम को मौके पर भेजा है। शुक्रवार को पुल की जांच के लिए आई टीम ने जांच की। उन्होंने बताया कि पुल की गुणवत्ता जांचने के लिए एनडीटी टेस्ट कराया जा रहा है, जिसके लिए डेटा कलेक्ट किया जा रहा है। इधर, स्लैब गिरने को लेकर जांच दल के सामने हाईवे प्रशासन एनएचएआई और ठेकेदार ने अलग-अलग तर्क दिए हैं। एनएचएआई के अफसरों ने कहा कि

वहीं निर्माण कंपनी (ठेकेदार) के मैनेजर ने कहा कि स्लैब डलने के बाद उसमें हल्की सी दरार आ गई थी। जिसे ठीक करने के लिए उस हिस्से को तोड़ दिया गया और फिर दोबारा उस हिस्से में स्लैब डाली गई। इसकी जानकारी एनएचएआई के अफसरों को दी गई थी। अब अलग-अलग तर्क सामने आने के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया है। नेशनल हाईवे का पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद एनएचएआई ने मंत्रालय स्तर से जांच के निर्देश दिए। जिसके बाद इंदौर के एसजीएसआईटीएस कॉलेज के सिविल डिपार्टमेंट को चिट्ठी लिखी गई। सीनियर प्रोफेसर मिलिंद कुमार लघाटे की अध्यक्षता में टीम ने शुक्रवार को ग्राम बासवां के पास खिड़किया नदी पर निर्माणाधीन पुल का जायजा लिया। जांच दल के साथ नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और निर्माण कंपनी के अधिकारी भी मौजूद रहे। जांच के दौरान पुल के ऊपरी और निचले हिस्से दोनों को बारीकी से देखा गया। पुल के नीचे क्रेन मशीन की मदद से जांच दल ने बारीकी से स्लैब और मटेरियल की गुणवत्ता देखी। उन्होंने पुल क्षतिग्रस्त होने की वजह भी प्रोजेक्ट अफसरों से पूछी और एक-एक पाइंट पर बातचीत के साथ सैंपल भी जुटाए।

बजट की कमी पर मंत्री ने लगाई चौपाल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर बन रही अत्याधुनिक ई-लाइब्रेरी के निर्माण कार्य में बजट की कमी सामने आने पर प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने शुक्रवार को मौके पर ही अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान तलाशने के निर्देश दिए। मंत्री शाह को निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि नीति आयोग से स्वीकृत राशि में भवन का निर्माण पूरा कर पाना संभव नहीं है। इस पर मंत्री ने कहा कि यदि नियमानुसार संभव हुआ तो जनजातीय कार्य विभाग से अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि परियोजना अधूरी न रहे। शुक्रवार को मंत्री विजय शाह ने निर्माणाधीन ई-लाइब्रेरी भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने और तय समय सीमा में भवन तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, पीआईयू के कार्यपालन यंत्री एसके त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। भवन का निरीक्षण करते

समय अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि ई-लाइब्रेरी के लिए नीति आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 2.15 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत हुई है, लेकिन मौजूदा लागत के हिसाब से यह बजट पर्याप्त नहीं है। इसके चलते भवन का निर्माण पूरा होने में दिक्कत आ सकती है। यह जानकारी मिलते ही मंत्री विजय शाह ने मौके पर ही टेबल लगवाकर अधिकारियों के साथ चर्चा की और विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि बजट वास्तव में कम पड़ रहा है और नियम इसकी अनुमति देते हैं तो जनजातीय कार्य विभाग से अतिरिक्त राशि स्वीकृत कराने का प्रयास किया जाएगा।

मरम्मत के बाद दोबारा खुला ममलेश्वर झूला पुल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर बना ममलेश्वर झूला पुल (हैंगिंग ब्रिज) दो दिन बाद शुक्रवार को श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए दोबारा खोल दिया गया। सुरक्षा कारणों से पुल का एक हुक टूट जाने के बाद इसे तुरंत बंद कर दिया गया था। एनएचडीसी और तकनीकी टीम ने युद्धस्तर पर काम करते हुए क्षतिग्रस्त हुक को बदला और आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा किया। प्रशासन की योजना इस पुल को गुरुवार को ही खोलने की थी, लेकिन लगातार हो रही बारिश और फिसलन के कारण सुरक्षा को देखते हुए एक दिन का इंतजार किया गया। शुक्रवार को मौसम सामान्य होने और सभी जरूरी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद प्रशासन ने पुल पर पैदल आवागमन की अनुमति दे दी।

झूला पुल दोबारा शुरू होने से स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों, नाविकों और हजारों श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली है। पिछले दो दिनों से पुल बंद होने के कारण लोगों को दूसरे लंबे रास्तों का इस्तेमाल करना पड़ रहा था, जिससे उनका समय और दूरी दोनों बढ़ गए थे। बारिश के मौसम और आने वाले त्योहारों को देखते हुए प्रशासन ने कहा है कि अब इस पुल की नियमित जांच की जाएगी। इसके साथ ही प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे पुल पर अनावश्यक भीड़ जमा न करें और सुरक्षा निर्देशों का पूरी तरह पालन करें।

मुंबई की प्रतिभाओं को निखारेंगे संदीप पाटिल

मुंबई (एजेंसी) ● संदीप पाटिल अब उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारेंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पाटिल को आगामी 2026-27 घरेलू सीजन के लिए सीनियर और आयु वर्ग की पुरुष टीमों का मेंटर बनाया है। एमसीए को उम्मीद है कि पाटिल के लंबे अनुभवों का लाभ उभरती हुई प्रतिभाओं को मिलेगा। जिससे एक बार फिर मुंबई की टीम अपना पुराना गौरव हासिल करेगी। मुंबई ने भारतीय क्रिकेट को सुनील गावस्कर से लेकर सचिन तेंदुलकर तक कई सितारे दिये हैं पर पिछले कुछ साल से यहां से कोई भी असाधारण प्रतिभा सामने नहीं आयी है। जिससे देखते हुए एमसीए ने पाटित का अब मेंटर की जिम्मेदारी दी है। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने पाटिल अब मुंबई क्रिकेट के विभिन्न स्तरों पर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करेंगे और घरेलू सत्र की तैयारियों में एक निर्णायक भूमिका निभाएंगे। मुंबई क्रिकेट का भारतीय क्रिकेट को प्रतिभाशाली खिलाड़ी देने का एक गौरवशाली इतिहास रहा है और एसोसिएशन को पूरा भरोसा है कि पाटिल जैसे अनुभवी दिग्गज की उपस्थिति से युवा खिलाड़ियों के विकास को एक नई गति मिलेगी, जिससे भविष्य में बेहतर खिलाड़ी मिलेंगे। इस पूर्व क्रिकेटर का मुंबई क्रिकेट प्रशासन से औपचारिक जुड़ाव 2016 में समाप्त हुआ था। इससे पहले, वह साल 2012 से 2016 तक भारतीय टीम की चयन समिति के अध्यक्ष रहे थे। साल 2022 में एमसीए अध्यक्ष पद के चुनाव में दिवंगत अमोल काले से करीबी मुकाबले में हारने के बाद पाटिल क्रिकेट प्रशासन से बाहर हो गए थे। अब उनकी वापसी को मुंबई क्रिकेट और उनके बीच के संबंधों में एक नई और सकारात्मक शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।गौरतलब है कि सला 1983 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के प्रमुख नायकों में शामिल रहे पाटिल ने संन्यास के बाद कोचिंग और प्रशासन के क्षेत्र में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने 1996 में भारतीय टीम के मुख्य कोच की चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी संभाली थी और इंडिया-ए टीम के साथ काम करते हुए कई युवा प्रतिभाओं को निखारा। यह भी माना जाता है कि महेंद्र सिंह धोनी जैसे लीजेंड के शुरुआती करियर को सही दिशा देने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय क्रिकेट के समग्र विकास में अमूल्य योगदान दिया।

फीफा विश्वकप : इक्वाडोर ने जर्मनी को हराकर सबसे बड़ा उलफर करते हुए नॉकआउट में जगह बनायी

मियामी (एजेंसी) ● इक्वेडोर की टीम ने फीफा विश्वकप फुटबॉल के अपने अंतिम ग्रप मैच में पूर्व विश्व चैम्पियन जर्मनी को हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया है। इक्वाडोर का ग्रुप स्तर के शुरुआती मैचों में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह एक भी गोल नहीं कर पायी थी पर अपने अंतिम मैच में उसने कोई गलती नहीं की। वहीं एक समय ऐसा लग रहा था कि टीम का टूर्नामेंट से बाहर होना तय है। वहीं टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में से एक जर्मनी के सामने इक्वाडोर की दावेदारी काफी कमजोर लग रही थी पर इक्वाडोर ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए शुरुआत में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी वापसी करते हुए 2-1 से मुकाबला जीता। ये इस विश्वकप का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर रहा। इससे उसने राउंड ऑफ 32 में जगह बनाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है।

मैच शुरू होते ही दूसरे ही मिनट में जर्मनी के लेरॉय साने ने इक्वाडोर की रक्षा पंक्ति को धवस्त करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। तब लगा कि इक्वाडोर अब बाहर हो जाएगी पिछले कुछ मैचों में मिली असफलता से उबरकर इस बार इक्वाडोर की टीम ने कोई गलती नहीं करते हमले शुरु कर दिये। जॉन येबोआ ने लगातार र जर्मन डिफेंस पर दबाव बनाये रखा। वहीं मोइसेस कैइसेडो ने मिडफील्ड में अपनी रफ्तार और फुर्ती से जर्मनी की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसी का परिणाम ये रहा कि निल्सन अंगुलो ने जोरदार शॉट के साथ इक्वाडोर की ओर से पहला गोल किया।

अभी विश्वकप पर ही मेरा ध्यान , संन्यास सहित अन्य बातों पर विचार नहीं कर रहा : मेसी

डलास (एजेंसी) ●फीफा विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन से नये रिकार्ड बना रहे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी का कहना है कि अभी उनका ध्यान विश्वकप में अपनी टीम को जीत दिलाने पर है। इसलिए कब वह सन्यास लेंगे ओर 2030 विश्वकप खेलेंले या नहीं जैसे सवाल अभी नहीं करने चाहिये। मेसी की उम्र 39 साल की हो गयी है जिससे प्रशंसकों के मन में इस प्रकार के सवाल आते रहते हैं। वहीं मेसी का कहना है कि वह कब तक खेलने ये फिटनेस के साथ ही इसपर निर्भर करेगा कि उनका शरीर आने वाले समय में कैसा रहता है। इसलिए अभी से भविष्य में क्या होगा वह नहीं कह सकते। अपने खेलने को लेकर भी वह अभी से कोई भी वादा नहीं कर सकते। इसकी जगह पर उनका पूरा ध्यान अभी वर्तमान पर और चल रहे टूर्नामेंट में अपनी टीम को सफल बनाने में मदद करने पर है। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा है कि मेसी ने साफ़ किया कि फ़िलहाल उनके मन में रिटायरमेंट का कोई विचार नहीं है। मेसी ने कहा कि हाँ मैं कुछ समय और खेलता रहूँगा, जब तक मैं योगदान दे सकता हूँ, शारीरिक रूप से अच्छा महसूस करता हूँ और अपने साथियों की मदद कर सकता हूँ! मैं खेलता रहूँगा। इस बयान से साफ है कि आठ बार बैलन डीओर जीतने वाले मेसी अपना करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन सिर्फ़ तब तक, जब तक उन्हें लगता है कि वह शीर्ष स्तर पर खेल सकते हैं। मेसी की ये बातें तब सामने आई हैं जब अर्जेंटीना अपने खिताब को बचाने के अभियान के तरत आगे बढ़ रहा है। अभी तक उसने अपने ग्रुप जे के दोनों मैच जीते हैं और राउंड ऑफ़ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। अर्जेंटीना ने अल्जीरिया के खिलाफ़ 3-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी।

खतरों के खिलाड़ी 15 की हो रही जबरदस्त चर्चा

मुंबई (एजेंसी) ● स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है । रोहित शेट्टी के इस शो की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में चल रही है, जहां सभी कंटेस्टेंट्स एक से बढ़कर एक खतरनाक स्टंट कर रहे हैं। इसी बीच शो के सेट से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है, जिसने फैंस को मायूस कर दिया है। खबरों के मुताबिक, टीवी की एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन इस शो से बाहर हो गई हैं, और यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। जैस्मीन भसीन के इस रियलिटी शो से बाहर होने की चर्चा तब और तेज हो गई, जब उन्होंने खुद अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद इमोशनल पोस्ट साझा की। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने साफ तौर पर यह हिंट दिया कि टीवी पर उनका एक और सफर अब खत्म हो गया है। इस भावुक नोट को देखकर उनके फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि केपटाउन में खतरों के खिलाड़ी का उनका सफर अब थम चुका है और वह शो से एक्जिट हो चुकी हैं। जैस्मीन ने इंस्टाग्राम पर अपनी और शो के अन्य कंटेस्टेंट्स की कुछ तस्वीरें और यादें साझा करते हुए कैप्शन में लिखा- जैसा कि आज मेरा एक और सफर खत्म हो रहा है, मैं इस यूनिवर्स की शुक्रगुजार हूं जिसने मुझे नए एक्सपीरीएंस दिए। कुछ बेहतरीन लोगों और खिलाड़ियों के साथ नई यादें बनाने का मौका मिला। आप सभी ने मेरे इस सफर को बहुत खास बना दिया दोस्तों। दिल थोड़ा दुखी है, लेकिन उसमें ढेर सारी खुशी भी है। जैस्मीन की इस पोस्ट के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई मशहूर सेलिब्रिटीज और उनके दोस्तों ने इस पर कमेंट कर उन्हें मिस करने की बात कही। ओरी ने कमेंट करते हुए लिखा कि मिस यू बेस्टी, वहीं रुबीना दिलैक, अविका गौर और हर्ष गुजराल ने भी कमेंट कर उन पर प्यार बरसाया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

फिल्म 'मैसा' से निधि सिंह का दमदार कैरेक्टर पोस्टर रिलीज

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'मैसा' से अभिनेत्री निधि सिंह का नया कैरेक्टर पोस्टर रिलीज किया गया है। मेकर्स ने निधि सिंह के जन्मदिन के अवसर पर उनका यह पोस्टर रिलीज करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।पोस्टर में निधि सिंह का गुस्से से भरा और निडर अंदाज नजर आ रहा है। पोस्टर साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि हर आत्मा का जन्म कोमल होने के लिए नहीं होता। कुछ का निर्माण संघर्षों को सहने के लिए किया जाता है। टीम मैसा की तरफ से बेहद प्रतिभाशाली निधि सिंह को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। शूटिंग जारी है। इस 2026 में सिनेमाघरों में। मैसा में रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में उनका अब तक का सबसे अलग और दमदार अवतार देखने को मिलेगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों के बीच खासा उत्साह है। अनफॉर्मूला फिल्म के बैनर तले निर्मित और रवींद्र पुल्ले के निर्देशन में बन रही मैसा आदिवासी क्षेत्रों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म की शूटिंग जारी है और इसके वर्ष 2026 में सिनेमाघरों में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने की संभावना है।

उज्जैन संभाग

कोचिंग संस्थानों पर फायर सेफ्टी की सख्ती

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● लखनऊ और आगरा में हुए हादसों के बाद देशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसी के मद्देनजर उज्जैन नगर निगम ने भी फायर सेफ्टी नियमों के पालन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। नगर निगम ने शहर के प्रमुख कोचिंग संस्थानों की चेकिंग की है और स्पष्ट किया है कि फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ सील करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।गुरुवार को निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर सहायक आयुक्त रविकांत मगरदे और फायर ऑफिसर लक्ष्मण प्रसाद साहू ने शहर के तीन प्रमुख कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। इनमें सनशाइन टावर स्थित आकाश कोचिंग इंस्टिट्यूट, दुर्गा प्लाजा के सामने स्थित कौटिल्य एकेडमी और गारंटी सक्सेस कोचिंग संस्थान शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र, अग्निशमन ऑडिट रिपोर्ट, भवन अनुज्ञा और विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज जांचे गए।निरीक्षण टीम ने संस्थानों में स्थापित अग्निशामक यंत्रों, फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर सिस्टम, फायर हाइड्रेंट, स्प्रिंकलर सिस्टम और आपातकालीन निकास मार्गों की कार्यशीलता की भी जांच की। इसके अतिरिक्त, इमरजेंसी लाइटिंग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन योजना का भी विस्तार से आकलन किया गया। अधिकारियों ने संस्थान संचालकों को निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा उपकरण हर समय सक्रिय और उपयोग योग्य स्थिति में होने चाहिए।फायर ऑफिसर लक्ष्मण प्रसाद साहू ने बताया कि 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भवनों, बड़े होटल, अस्पताल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, मल्टीप्लेक्स, सिनेमा हॉल और मैरिज गार्डन सहित अन्य मिश्रित अधिभोग वाले भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 50 से कम बिस्तरों वाले होटल और अस्पतालों को पंजीकृत फायर इंजीनियर का प्रमाणीकरण प्रस्तुत करना आवश्यक है।

मंगलनाथ मंदिर के सामने संन्यासी की मौत का खुलासा, सीने की चोट से हुई मौत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र स्थित मंगलनाथ मंदिर के सामने रहने वाले संन्यासी गंगेश्वर गिरी की मौत के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, तकनीकी साक्ष्य और डायल-112 की कॉल रिकॉर्डिंग के आधार पर पुलिस ने आरोपी कौशिक सोनी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार रतलाम जिले के जावरा निवासी अनिल कुमार जोशी ने सूचना दी थी कि उनके बड़े भाई सुनील जोशी ने वर्ष 2010 में संन्यास ग्रहण कर गंगेश्वर गिरी नाम धारण कर लिया था। वह पिछले डेढ़ वर्ष से मंगलनाथ मंदिर के सामने स्थित एक कुटिया में रह रहे थे। परिजनों ने बताया कि 10 जून को उनकी गंगेश्वर गिरी से अंतिम बार फोन पर बात हुई थी। बातचीत के दौरान पीछे से विवाद की आवाजें सुनाई दीं, जिसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया। 17 जून को जब परिजन कुटिया पहुंचे तो वहां सामान बिखरा हुआ मिला। पूछताछ करने पर पता चला कि 11 जून को कुटिया से गंगेश्वर गिरी का शव बरामद हुआ था। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

बस कंडक्टर को पीटा, 22 हजार रुपए छीने, सवारी विवाद पर आधे घंटे नहीं बढ़ने दिया वाहन

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● बसों में सवारी बैठाने को लेकर चल रहे विवाद ने अब मारपीट का रूप ले लिया है। भोपाल से इंदौर जा रही एक यात्री बस के कंडक्टर के साथ बीच सड़क पर कथित तौर पर मारपीट की गई और 22 हजार रुपए छीन लिए गए। इस घटना के बाद पीड़ित कंडक्टर ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित कंडक्टर नीरज कुशवाहा ने बताया कि यह घटना देवास बस स्टैंड से निकलने के बाद उज्जैन तिराहा से कुछ दूरी पर हुई। उनकी बस देवास क्षेत्र से गुजर रही थी, तभी कुछ लोगों ने स्कूटर बस के आगे लगाकर उसे जबरन रोक लिया।

नीरज कुशवाहा के अनुसार, बस रुकते ही उन्हें नीचे उतारा गया और सवारी बैठाने के विवाद को लेकर गाली-गलौज की गई। इसके बाद डंडों और थप्पड़ों से उनके साथ मारपीट की गई। नीरज ने आरोप लगाया है कि इस दौरान उनके पास मौजूद करीब 22 हजार रुपए भी छीन लिए गए।

कंडक्टर ने बताया कि हमलावर लगातार यह आरोप लगा रहे थे कि उनकी बस के आगे सवारी क्यों बैठाई जा रही है। इस हंगामे के कारण बस में बैठे यात्री करीब आधे घंटे तक भयभीत और परेशान रहे। बस को आगे नहीं बढ़ने दिया गया, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा हुई।

स्थिति बिगड़ने पर यात्रियों को दूसरी बस में बैठाकर इंदौर के लिए रवाना किया गया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सवालों के घेरे में बस स्टैंड की व्यवस्था

सवारी बैठाने को लेकर बस संचालकों के बीच विवाद कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीच सड़क पर बस रोककर मारपीट और दादागीरी की घटना ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिनदहाड़े हुई इस घटना से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। पहले भी बस स्टैंड पर इस तरह से सवारी बिठाने को लेकर दादागिरी और मारपीट के मामले सामने आ चुके हैं।

जिला न्यायालय में योग-ध्यान शिविर का छठा दिन, न्यायिक अधिकारियों ने साझा किए अनुभव

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एवं नशामुक्ति सप्ताह के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में आयोजित सात दिवसीय योग, प्राणायाम एवं ध्यान शिविर का छठा दिन उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। 21 से 27 जून तक चल रहे इस शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन द्वारा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर में गुरुदेव अतीत जी ने कहा कि वर्तमान समय में काम के बढ़ते दबाव के कारण व्यक्ति स्वयं से दूर होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि योग, प्राणायाम और ध्यान केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, एकाग्रता और चेतना को भी सशक्त बनाते हैं।

इस दौरान न्यायिक अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीसी गुप्ता ने कहा कि ध्यान और साधना का अनुभव शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता तथा इस शिविर से सभी प्रतिभागियों को सकारात्मक लाभ मिला है। एक जिला न्यायाधीश ने बताया कि ध्यान के दौरान उनका मन बिल्कुल भी विचलित नहीं हुआ और उन्हें गहरी एकाग्रता का अनुभव हुआ। वहीं एक अन्य न्यायाधीश ने इसे अपने जीवन का सबसे आत्मिक और मानसिक शांति देने वाला अनुभव बताया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विन परमार ने कहा कि ध्यान के दौरान उन्हें ऐसा अनुभव हुआ मानो आत्मा विचरण कर रही हो और शरीर पूर्णतः स्थिर हो। इस साधना से उनके अवचेतन मन की अशांति भी शांत हुई। कार्यक्रम के दौरान यह सुझाव भी रखा गया कि योग और ध्यान जैसे शिविर पुलिस विभाग में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएं, क्योंकि पुलिसकर्मी अत्यधिक तनावपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं और उन्हें मानसिक संतुलन व ऊर्जा बनाए रखने के लिए ऐसी गतिविधियों की आवश्यकता होती है। शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीसी गुप्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मनोज कुमार भाटी, जिला न्यायाधीश विकास चौहान, राकेश बंसल, संतोष सैनी, हर्ष भदौरिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विन परमार, अधिवक्ता तथा न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सात दिवसीय योग, प्राणायाम एवं ध्यान शिविर का समापन 27 जून को होगा।

कर्बला मैदान पर मेले की हाईकोर्ट से मंजूरी एमआईसी के प्रस्ताव को किया निरस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कर्बला मैदान को लेकर चल रहे विवाद के बीच में मामला हाईकोर्ट पहुंचा। यहां से मेला लगाने को मंजूरी मिल गई है। हाईकोर्ट ने कहा कि पहले मंजूरी दे दी थी और अचानक मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) ने इसे निरस्त किया।

कर्बला मेले को हाईकोर्ट से मंजूरी– इसमें हाईकोर्ट ने मेले की मंजूरी दे दी। कोर्ट में वक्फ कर्बला इंतेजामिया कमेटी प्रेसीडेंट अब्दुल हामिल नियारगर ने याचिका लगाई थी। इसमें मप्र शासन के साथ ही एमआईसी और निगमायुक्त को पक्षकार बनाया था।

हाईकोर्ट ने यह कहा, एकतरफा कार्रवाई–हाईकोर्ट ने कहा कि जब मेले की मंजूरी हो गई थी तब इसकी तैयारियां हो गई थी। अचानक एमआईसी ने मंजूरी निरस्त की और इसमें संबंधित पक्षकार का पक्ष नहीं जाना गया और ना ही उन्हें नोटिस दिया गया।

ऐसे में अचानक परंपरागत मेले की मंजूरी को नहीं रोका जा सकता है। मेले की तैयारियां हो गई थी और मेला शुरू हो चुका था। ऐसे में सभी तथ्य देखते हुए बिना नोटिस दिए मंजूरी को निरस्त किया जाना उचित नहीं है। ऐसे में याचिका मंजूरी की जाती है और एमआईसी के 25 जून को लिए गए फैसले को क्वैश किया जाता है।

हाईकोर्ट ने आगे के लिए यह दिए निर्देश–हाईकोर्ट ने निर्देश दिए कि अगले साल के लिए यह निर्देश दिए जाते हैं कि अगले साल से मेले के लिए याचिकाकर्ता कम से कम दो माह पहले आवेदन देगा। निगम द्वारा भी कम से कम 25 दिन पहले इस पर फैसला लिया जाएगा इसमें शर्तें व इनका पालन सभी साफ रहेंगे।

एमआईसी ने फिर किया प्रस्ताव पास–इसके बाद एमआईसी सदस्यों ने भी आपत्ति ली और कहा कि इसे रद्द किया जाना चाहिए। आखिर में प्रस्ताव पास किया गया कि इस जारी मंजूरी को संशोधित किया जाए और केवल वहां ताजिए ठंडे करने की ही मंजूरी दी जाए। मेला और दुकान नहीं लग सकती है।

महापौर ने बुलाई थी अर्जेंट एमआईसी

महापौर ने मेले की पहले मंजूरी देने से मना कर दिया था। लेकिन गुरुवार दिन में निगम ने मंजूरी दे दी। महापौर को मंजूरी की खबर लगते ही रात को ही अर्जेंट एमआईसी वर्चुअली बुलाई। इसमें सभी एमआईसी सदस्य और निगमायुक्त व अन्य अधिकारी मौजूद थे। महापौर ने पूछा मंजूरी क्यों और कैसे दी गई। इस पर बात आई की प्रशासन के फोन के चलते दी गई महापौर ने सख्त आपत्ति ली कि जब बीती बार 2025 में मंजूरी दी और उनकी शर्तों का उल्लंघन किया गया तो इस बार मंजूरी कैसे दे सकते हैं। इस मंजूरी देने के कृत्य को निंदनीय बताया गया।

गैस पाइपलाइन हादसे में झुलसी झाला एयरलिफ्ट, पार्षद-अफसरों को बताया जिम्मेदार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में गैस पाइप लाइन हादसे में झुलसी राजकुमारी उर्फ जिनी झाला को हाईकोर्ट के आदेश के बाद एयरलिफ्ट किया गया है। उनका अब इलाज अहमदाबाद के अस्पताल में होगा। वहीं आईसीयू से बाहर आने पर उन्होंने इस हादसे के लिए पार्षद और अधिकारियों को जिम्मेदार बताया।

इंदौर में मंगलवार 23 जून की शाम को अवंतिका गैस पाइलपाइन में विस्फोट के हादसे में वार्ड 31 के बीजेपी पार्षद बालमुकुंद सोनी घिरा रहे हैं। साथ ही अधिकारियों द्वारा की गई लापरवाही की भी जांच हो रही है। इस घटना में घायल गिरी राजकुमारी उर्फ जिनी झाला को हाईकोर्ट के आदेश के बाद उपचार के लिए अहमदाबाद एयरलिफ्ट किया गया।

आईसीयू से बाहर आकर यह बोली झाला–एयरलिफ्ट के लिए आईसीयू से बाहर आई झाला दर्द से कराह रही थी। उन्होंने कहा कि मेरी हालत के लिए पार्षद और निगम के अधिकारी जिम्मेदार है। इनके खिलाफ अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई, एफआईआर होना चाहिए। इस हादसे में झाला करीब 25 फीसदी झुलस गई थी। डॉक्टरों का कहना है कि पूरी तरह स्वस्थ होने में तीन से चार महीने लग सकते हैं।

इस तरह झाला ने बचाई थी जान–जिनी झाला ने बताया कि वह 23 जून की शाम वह टू-व्हीलर से नानी के घर जा रही थीं। तभी सुमन नगर जैन मंदिर के धमाका हुआ। आग की लपटें उठी। मैं और बाइक आग की चपेट में आ गए। लोगों ने मुझ पर पानी नहीं डाला तो वहां गड्ढे में जमा पानी में कूदकर जान बचाई।

हाईकोर्ट में लगी थी याचिका–मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने गुरुवार को अधिवक्ता रितेश ईनानी द्वारा लगाई गई जनहित याचिका पर जिनी झाला को अहमदाबाद स्थित जाइडस हॉस्पिटल भेजने के निर्देश दिए थे।

यह हुआ था हादसा–इंदौर में मंगलवार को सुमन नगर जैन मंदिर के पास अवंतिका गैस पाइपलाइन में विस्फोट हो गया था। हादसे में चार लोग झुलस गए थे। विजय नगर पुलिस के मुताबिक, जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां नगर निगम की ओर से वाटर हार्वेस्टिंग का काम कराया जा रहा था। इसी दौरान अवंतिका गैस पाइपलाइन फट हो गई।

सीबीआई ने एसडीओपी अस्थाना को बचाया : देवा पारदी हत्याकांड के आरोपी टीआई मवई का खुलासा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश के गुना जिले के म्याना थाने के चर्चित देवा पारदी हत्याकांड में नए आरोप लगे हैं। पारदी की मौत थाने में यातना देने से पुलिस कस्टडी में हुई थी। इसमें टीआई संजीत मवई इंदौर जेल में बंद हैं। कोर्ट में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों और सीबीआई पर आरोप लगाए हैं।

म्याना थाना देवा पारदी हत्याकांड–देवा पारदी हत्याकांड के आरोपी टीआई संजीत सिंह मवई टी शर्ट में और वर्दी में एएसआई उत्तम सिंह। मध्यप्रदेश के गुना जिले के म्याना पुलिस थाने में 14 जुलाई 2024 की शाम को देवा पारदी की पुलिस की कस्टडी में मौत हुई थी। इस केस में सितंबर 2024 में पुलिस ने तत्कालीन टीआई संजीत सिंह मवई, एएसआई उत्तम सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया था।

मामला बाद में सुप्रीम कोर्ट गया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद फरार टीआई मवई और उत्तम सिंह ने 5 अक्टूबर 2025 को सरेंडर किया था। तभी से मवई जेल में हैं।

एएसआई उत्तम सिंह : मवई ने एसडीओपी अस्थाना पर लगाए आरोप – बता दें कि जमानत याचिका जिला कोर्ट इंदौर में पेश हुई। इसमें मवई की ओर से कहा गया कि जब देवा पारदी की मौत हुई, तब वह 13 व 14 जुलाई को वीआईपी ड्यूटी के लिए ग्वालियर में थे। मवई ने आगे कहा कि जब पारदी को यातना दी गई और उसकी मौत हुई, उस दौरान उनकी कोई भूमिका नहीं थी। इस दौरान एसडोपी विवेक अस्थाना ही पूरा केस देख रहे थे। साथ ही मवई ने बताया कि अस्थाना और एएसआई उत्तम सिंह के बीच लगातार 15 बार बात हुई। इसी दौरान पारदी को यातनाएं दी गईं और उसकी मौत हुई। जबकि वह तो थाने में थे ही नहीं। ऐसे में उनकी कोई संलिप्तता नहीं थी।

टीआई संजीत मवई : सीबीआई पर यह लगाए आरोप–मवई ने कहा कि मामले में सीबीआई ने अस्थाना और वरिष्ठ अधिकारियों को बचाया है। उनके पास सीसीटीवी, सीडीआर सब मौजूद हैं। इसमें सब साफ है कि पुरानी बिल्डिंग में जहां पारदी को रखा था, वहां कौन आ-जा रहा था। मैं वहां था ही नहीं और न ही मेरी किसी से इस दौरान बात हुई। संजीत सिंह मवई ने कहा कि इससे साफ है कि यह पूरा ऑपरेशन मेरी जानकारी में नहीं था। वहीं सीबीआई ने इन आरोपों का खंडन किया। सीबीआई ने बताया कि इस घटना के लिए मवई जिम्मेदार हैं। उन्हें आरोपी बनाया गया है। सभी तर्क सुनने के बाद मवई की जमानत याचिका खारिज हो गई।

पुलिस के पिटने में दिग्विजय सिंह ने विशाल खंडेलवाल पर साधा निशाना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में पुलिसकर्मियों की पिटाई के बाद पुलिस अब अज्ञात को ढूंढ रही है। इस मामले में जमकर फजीहत हो चुकी है। वहीं अब पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने इसमें भूमाफियाओं के साथ ही कनाडिया टीआई सहर्ष यादव और एक बिल्डर विशाल खंडेलवाल को कठघरे में खड़ा किया है।

इंदौर के कनाडिया थाना क्षेत्र में डायमंड गृह निर्माण सोसायटी की डायमंड कॉलोनी पर रविवार रात को हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। यहां पर दो पक्षों में हुए पथराव को रोकने पहुंची पुलिस को ही नशेडियों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा।

इसमें पुलिसकर्मी विजय सिकरवार को 16 और आशीष शर्मा को आठ टांके आए। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने सख्ती दिखाई और दो दिन बाद मंगलवार रात को एफआईआर हुई। वहीं टीआई सहर्ष यादव ने इसमें भी धाराएं तो मजबूत लगाईं लेकिन केस अज्ञात पर दर्ज किया। अब दिग्विजय सिंह ने इसमें बड़े सवाल खड़े किए हैं।

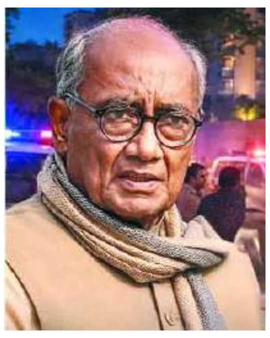

दिग्विजय सिंह ने इन पर उठाए सवाल–पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने गुरुवार, 25 जून की रात को इस मामले में कहा कि इंदौर में भूमाफिया पुलिस को पीट रहे हैं। मुझे पता चला है कि विशाल खंडेलवाल ने जमीन की डील की है।

पुलिस पर हमला होता है और किसी की गिरफ्तारी नहीं होती है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि पता नहीं खंडेलवाल और सरकार के बीच के क्या संबंध हैं। इससे पुलिस असहाय महसूस कर रही है। पुलिस वाले पिट रहे हैं और टीआई साहब समझौता कराने का प्रयास करते हैं। दिग्विजय सिंह ने आगे कहा कि यह भूमाफिया के हाल हैं। पुलिस एफआईआर करती है तो वह भी अज्ञात पर, जबकि टीआई को पता है कि किसने हमला किया है। वह अज्ञात नहीं है, टीआई को सब पता है।

कौन हैं विशाल खंडेलवाल?

विशाल खंडेलवाल एसएस ग्लोबल ग्रुप के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) हैं। इस कंपनी में लखन यादव भी शामिल हैं। वहीं पहले इसमें रुपेश व्यास, भूपेश व्यास भी शामिल थे। कंपनी के एसएस इंफिनिट्स, एसएस ग्रीन सहित कई बड़े प्रोजेक्ट इंदौर में हैं। कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार इसका ऑफिस राफेल टावर ओल्ड पलासिया में है। खंडेलवाल कई बड़े प्रोजेक्ट में लगे हुए हैं। विशाल खंडेलवाल ने इस मामले में कहा कि आगे की ओर प्रतीक संघवी जी का प्लांट है और डायमंड कॉलोनी के पीछे मेरा प्लाट है। जहां रास्ते को लेकर छोटा सा इशू है और उसे लेकर चर्चा चल रही है लेकिन विवाद जैसा कुछ नहीं है। मुझे नहीं पता मेरे बारे में किसने क्या गलत तथ्य रख दिए।

कुमेड़ी आईएसबीटी से जल्द दौड़ेंगी 1400 बसें

आईडीए ने संचालन कंपनी को जारी किया वर्कऑर्डर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बहुप्रतीक्षित कुमेड़ी आईएसबीटी से बस संचालन का रास्ता अब साफ हो गया है। आईडीए ने बस संचालन करने वाली कंपनी को वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। इसके साथ ही लंबे समय से अटकी बस संचालन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। जल्द ही इस आधुनिक बस टर्मिनल से करीब 1400 बसों का नियमित संचालन शुरू होने की उम्मीद है। आईडीए लंबे समय से आईएसबीटी को पूरी तरह संचालित करने के लिए प्रयास कर रहा था। बस ऑपरेटरों से समन्वय, संचालन व्यवस्था और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद अब कंपनी को वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। इसके बाद कंपनी बस स्टैंड पर आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित करने और संचालन की तैयारियां शुरू करेगी। कुमेड़ी से प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों के प्रमुख शहरों के लिए बसें चलेंगी। इससे शहर के भीतर संचालित हो रहे पुराने और भीड़ वाले बस स्टैंडों पर दबाव कम होगा।

कई सुविधाएं मिलेंगी–यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, पार्किंग, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही बसों के व्यवस्थित आवागमन के लिए यातायात प्रबंधन भी किया जाएगा। आईडीए अधिकारियों का कहना है कि वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद कंपनी तय समय सीमा में संचालन संबंधी तैयारियां पूरी करेगी। इसके बाद बसों का संचालन शुरू होगा।

डीएवीवी : जुलाई के तीसरे सप्ताह से शुरू होगी काउंसलिंग प्रक्रिया

30 पाठ्यक्रमों में 2025 सीटों पर होगा प्रवेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा सीयूईटी 2026 के परिणाम घोषित किए जाने के बाद देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियां तेज कर दी हैं। विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि एनटीए से अभ्यर्थियों का डेटा मिलने के बाद जुलाई के तीसरे सप्ताह में ऑनलाइन काउंसलिग पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

विवि अधिकारियों के अनुसार अगले सात से दस दिनों में एनटीए से स्कोर डेटा प्राप्त होने की संभावना है। इसके बाद काउंसिलिग पोर्टल सक्रिय किया जाएगा, जहां पात्र अभ्यर्थी पंजीयन कर अपने पसंदीदा पाठ्यक्रमों का चयन कर सकेंगे। विद्यार्थियों को पंजीयन के लिए 10 से 15 दिन का समय दिया जाएगा। इस वर्ष 13 शिक्षण विभागों द्वारा संचालित 30 स्नातक एवं इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों की 2025 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश पूरी तरह सीयूईटी मेरिट के आधार पर होंगे। इसके लिए कोई अलग प्रवेश परीक्षा या ऑफलाइन प्रक्रिया नहीं होगी। बीए एलएलबी, बीकॉम ऑनर्स, बीए इकोनॉमिक्स, साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी, लॉजिस्टिक्स, रिटेल ऑपरेशंस, बीएसडब्ल्यू, बीबीए एविएशन और बीबीए बिजनेस डिसीजन जैसे पाठ्यक्रमों में अधिक प्रतिस्पर्धा रहने की संभावना है। इसके अलावा ई-कॉमर्स, टूरिज्म और फॉरेन ट्रेड के इंटीग्रेटेड एमबीए कार्यक्रम भी प्रवेश प्रक्रिया का हिस्सा होंगे। सीयूईटी समन्वयक डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय जुलाई के प्रारंभ तक अभ्यर्थियों का डेटा प्राप्त कर प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

नकली नोटों की हाईटेक फैक्ट्री का पर्दाफाश किराए के फ्लैट से 3 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में पुलिस ने नकली नोटों के बड़े कारोबार का पर्दाफाश किया है। गांधी नगर थाना पुलिस को मिली गुप्त सूचना के बाद सिंगापुर टाउनशिप स्थित एक किराए के फ्लैट पर छापा मारा गया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान रवि चौधरी, संजय वैष्णव और दीपक पटेल के रूप में हुई है। पुलिस को फ्लैट से हाईटेक प्रिंटिंग मशीन, लैपटॉप, प्रिंटर, विशेष कागज और 200-200 रुपये के करीब 80 हजार रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद हुए हैं।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी बेहद सुनियोजित तरीके से नकली नोट तैयार कर रहे थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि वे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी की मदद से नोटों की डिजाइन और सिक्योरिटी फीचर्स को समझते थे, ताकि नकली नोट पहली नजर में असली जैसे दिखाई दें। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि यह गिरोह केवल 200 रुपये के नोट ही छापता था या फिर अन्य कीमत के नोट भी तैयार किए जा रहे थे।

पहले भी जा चुका था जेल–पुलिस जांच में सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड रवि चौधरी है, जो पहले भी फेक करेंसी के मामले में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। जमानत पर बाहर आने के बाद उसने दोबारा इसी धंधे की शुरुआत कर दी। इस बार उसने अपने साथ संजय वैष्णव और दीपक पटेल को भी शामिल कर लिया। तीनों ने मिलकर एक किराए का फ्लैट लिया, जहां आधुनिक मशीनों की मदद से नकली नोट तैयार किए जाते थे।

जाम गेट पर पर्यटकों की भारी लापरवाही

सेल्फी लेने गहरी खाई के मुहाने पर खड़े हो रहे युवा

प्रतिबंध के बाद भी जान जोखिम में डाल रहे लोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

महू /इंदौर ● मानसून की शुरुआत होते ही महू के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल 'जाम गेट' पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। यहाँ आने वाले पर्यटक अपनी जान जोखिम में डालने से बाज नहीं आ रहे हैं। शुक्रवार को जाम गेट पर कई लोग गहरी खाई के ठीक किनारे खड़े होकर सेल्फी और तस्वीरें लेते हुए देखे गए। सुरक्षा सीमाओं की खुलेआम अनदेखी कर पर्यटक यहाँ भारी लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

प्रशासन की रोक बेअसर : लगातार हो रही बारिश और बढ़ते हादसों के मद्देनजर जिला प्रशासन ने गुरुवार को ही जिले के कई संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर आम जनता के प्रवेश पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए थे। इसके बावजूद, जाम गेट पर पर्यटकों की आवाजाही लगातार जारी है। लोग अपनी सुरक्षा को लेकर जरा भी गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

सुरक्षा के लिए जल्द तैनात होंगे चौकीदार

सुरक्षा व्यवस्था के इस संकट पर एसडीएम राकेश परमार ने बताया कि स्थिति को गंभीरता से लिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पर्यटन स्थलों पर जल्द ही चौकीदारों की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को होने से रोका जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।